रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित
पायनियर
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655
www.dailypioneer.com रायपुर, शुक्रवार 15 नवम्बर 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-84 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

डोमिनिका मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'डोमिनिका अवार्ड ऑफऑनर' प्रदान करेगा

नई दिल्ली। कैरेबियाई देश डोमिनिका ने घोषणा की है कि वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गुयाना में आयोजित भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन में देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित करेगा। रोसेऊ में डोमिनिका सरकार की जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि पीएम मोदी को कोविड-19 महामारी के दौरान डोमिनिका में उनके योगदान और भारत और डोमिनिका के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए उनके समर्पण के सम्मान में अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार, 'डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान करेगा।

छात्रों के साथ योगी सरकार का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष की नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में आंदोलन कर रही प्रतियोगी छात्रों की मांग को उचित ठहराते हुए गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का रवैया उनके प्रति असंवेदनशील और अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार तथा लोक सेवा आयोग को प्रतियोगिताओं के साथ क्रूर व्यवहार करने की बजाय उनकी मांग मान लेनी चाहिए और उनका पुलिस उत्पीड़न बंद करवाया जाना चाहिए।

दिल्ली में पहली बार प्रदूषण का स्तर 400 के पार पहुंचा : राय

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दियों के मौसम में दिल्ली में पहली बार प्रदूषण का स्तर 400 के पार पहुँच गया है। गोपाल राय ने गुरुवार को कहा कि सर्दियों के मौसम में राष्ट्रीय राजधानी में पहली बार प्रदूषण का स्तर 400 के पार चला गया है। इसी को देखते हुए आज ग्रीन वॉर रूम में पर्यावरण वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। उन्होंने बैठक के बाद सभी सम्बंधित विभागों को ग्रेप-2 से संबंधित दिशा-निर्देश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने पिछले दो दिनों की जो रिपोर्ट रखी है उसके अनुसार पिछले दो दिनों में प्रदूषण के स्तर में बढ़ोत्तरी का मुख्य दो कारण हैं। पहला पहाड़ों पर बर्फबारी होने के कारण दिल्ली के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशव्यापी धान खरीदी महापर्व का किया शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ◄ बालोद
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थन मूल्य पर किसानों से प्रदेशव्यापी धान खरीदी महापर्व का शुभारंभ बालोद जिले के भांठागांव (बी) धान खरीदी केन्द्र से किया। इसी के साथ 14 नवंबर से राज्य में किसानों से धान खरीदी की शुरूआत हो गई है, जो 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। मुख्यमंत्री साय ने भांठागांव (बी) उपार्जन केन्द्र पहुंचने के बाद इलेक्ट्रॉनिक तौल एवं अन्य यंत्रों का पूजन और वहां उपस्थित किसानों को माला पहना कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने किसान भाईयों को धान खरीदी महापर्व के शुभारंभ की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में ग्राम भांठागांव के किसान भागबली ने कुल 148 क्विंटल और हरिराम ने 65 क्विंटल 20 किलो धान की बिक्री की। मुख्यमंत्री के समक्ष अपने धान की बिक्री का अवसर प्राप्त होने से किसान भागबली और हरिराम बहुत ही खुश नजर आ रहे थे। उक्त उपार्जन केन्द्र में गुरुवार को धान खरीदी हेतु कुल 06 किसानों का टोकन काटा गया है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम मोहंदीपाट में 30 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित जिला सेवा सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा मर्यादित दुर्ग के नवीन शाखा भवन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री साय ने इससे पूर्व छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम स्थल में मुख्यमंत्री साय ने शहीद बिरसा मुंडा एवं गहिरा गुरु के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके साथ ही किसानों को उनके द्वारा बेचे गए धान के एवज में राज्य शासन द्वारा 72 घंटे भीतर उनके बैंक खाते में भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। राज्य में धान खरीदी के लिए 2,739 स्थापित किए गए हैं। इस साल धान बेचने के लिए 27,01,109 पंजीकृत किसानों द्वारा बोये गए धान का कुल रकबा 34,51,729 हेक्टेयर है। पंजीकृत किसानों में 1,35,891 नये किसान हैं।

जनजातीय गौरव दिवस एवं अंतर्राज्यीय लोकनृत्य महोत्सव का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस एवं अंतर्राज्यीय आदिवासी लोक नृत्य महोत्सव का देवगुड़ी में पूजा-अर्चना और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत दो दिनों तक विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी, जनजातीय चित्रकला प्रदर्शनी के साथ-साथ देश के 21 राज्यों के 28 आदिवासी नर्तक दलों द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लोगों को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा सहित शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गेंद सिंह, गुण्डाधुर को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करके जनजातीय समुदाय का गौरव बढ़ाया है। इसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस की भव्य शुरूआत 13 नवम्बर से जशपुर से हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समुदाय की जितनी चिंता की है, उतनी किसी ने नहीं की है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश की 10 करोड़ जनजातीय आबादी के कल्याण के लिए पृथक मंत्रालय बनाया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय के गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के जमुई से 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। इसके लिए 80 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान है। इससे छत्तीसगढ़ राज्य के 6,691 आदिवासी गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विकास और जनजातीय समुदाय के कल्याण के काम होंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रकाश पर्व पर देशवासियों को दी बधाई

एजेंसी ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुर्मू ने कहा कि गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर, मैं देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों, विशेष रूप से सिख भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा, गुरु नानक देव जी ने 'जपजी साहिब' में प्रेम, आस्था, सत्य और त्याग की शिक्षा दी है, जो हमें नैतिक आचरण की राह पर चलने का संदेश देती है। उन्होंने लंगर की प्रथा शुरू कर समाज में भाईचारे का संदेश दिया। गुरु नानक जी की वाणी हमें गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों को निभाते हुए ज्ञान और वैराग्य की राह पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने ईमानदारी और मेहनत से आजीविका कमाने और उसे जरूरतमंद लोगों के साथ बाँटने की भी सीख दी। उन्होंने कहा, आइए, हम सभी अपने दैनिक जीवन में गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपनाएं और समाज में मेल-जोल और एकता की भावना को और अधिक मजबूत बनाएं।

नौसेना ने की वार्षिक उड़ान सुरक्षा संगोष्ठी और बैठक

वार्ता ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

नौसेना ने पूर्वी कमान मुख्यालय के तत्वावधान में आईएनएस डेगा पर वार्षिक उडान सुरक्षा संगोष्ठी और नौसेना उडान सुरक्षा बैठक का आयोजन किया। नौसेना के प्रवक्ता के अनुसार उड़ान सुरक्षा संगोष्ठी मंगलवार को शुरू हुई और इसमें मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पूर्वी कमान ने अधिकारियों को संबोधित किया। संगोष्ठी में उभरते खतरे और चुनौतियाँ - नौसेना वायु संचालन और उड़ान सुरक्षा के साथ अनुपालन विषय पर चर्चा की गयी। साथ ही ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकियों और रणनीति में प्रगति, विमानन संचालन में साइबर सुरक्षा जोखिम तथा विमान प्रणालियों के लिए जवाबी कार्रवाई सहित समकालीन विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। हवाई संचालन के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के लिए 'माइंडफुलनेस ट्रेनिंग' के महत्व पर भी विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान उभरते परिचालन जोखिमों के प्रबंधन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया गया और हवाई संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सेवाओं में साझा सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया गया। विचारों के आदान-प्रदान में आधुनिक नौसेना विमानन में चुनौतियों के लिए अनुकूली और सक्रिय सुरक्षा रणनीतियों की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित किया गया। सेना, वायु सेना, भारतीय तटरक्षक और एचएएल जैसे प्रमुख रक्षा संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

15 Nov 2024 Pride Of Raipur

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567

संकलनकर्ता-करन साहू, अमलेश्वर, पाटन Mo. 9425291793 | संजय श्रीवास्तव, ब्यूरो चीफ, जिला-दुर्ग

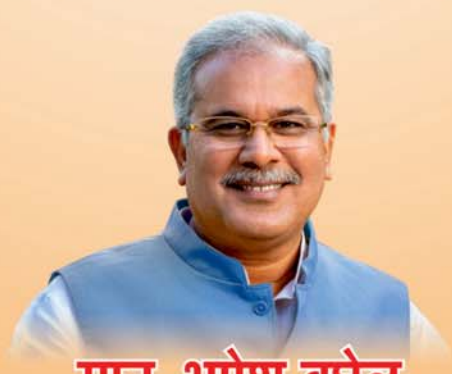

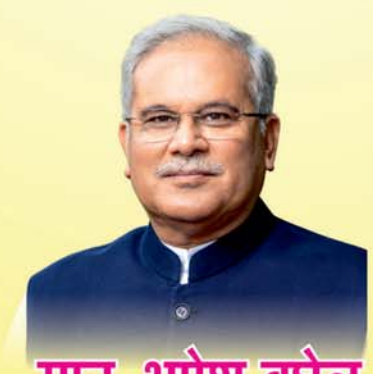

डीपेंद्र साहू ने लोहरसी समिति में किया धान ख़रीदी का शुभारंभ

विष्णु देव साय सरकार का जताया आभार

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

राज्य की विष्णु देव सरकार ने किसानों से धान खरीदी की शुरुआत कर दी है जिसके तहत सभी सोसायटियों में अधिकृत रूप से धान की खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। लोहरसी सोसायटी में भाजपा नेता डीपेंद्र साहू ने धान ख़रीदी का शुभारंभ किया जहाँ किसानों से 3100 रू प्रति क्विंटल धान ख़रीदी करने प्रदेश सरकार का आभार जताया। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए साहू ने कहा देश की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की विष्णु देव सरकार किसानों के प्रति समर्पित है और उनके उत्थान के लिए हर संभव कार्य कर रही है। किसानों के चहरे पर 3100 रू में धान का विक्रय करने की जो खुशी है वो देखते बन रही है। किसान सम्मान निधि से मोदी जी भी देश के किसानों का ख़्याल रखते हैं तो वहीं अब धान का एकमुश्त पैसा पाकर किसानों को भी किसी अभाव में रहने की ज़रूरत नहीं है। हम देश के प्रधानमंत्री और हमारे मुख्यमंत्री का आभार जताते हैं कि उन्होंने किसानों के उन्नति के लिए जो कार्य किए हैं वो उनके विकास में मील का पत्थर साबित होंगे और हमारे अन्नदाता को समृद्ध बनाएँगे। उक्त अवसर पर देव नारायण गजेंद्र पूर्व उप सरपंच, संतराम साहू, देवकरण गजेंद्र, चंदूलाल साहू पूर्व डायरेक्टर किसान राईस मील, शिव नारायण साहू, परमानंद आदिल सरपंच परसतराई, भोजेन्द्र साहू, दीपक कनाडे नोडल अधिकारी, पुलत्स्य कुमार साहू ग्रा.कृषि वि.अधिकारी, रमेश लहरे पटवारी, लिकेश देवांगन समिति प्रबंधक, बहादुर साहू धान खरीदी ठेकेदार, कुबेर साहू, हरिनाथ सिन्हा, देवराम गजेंद्र सहित किसान उपस्थित थे।

देवउठनी एकादशी व गौरा गौरी का पर्व धूमधाम से मनाया गया

पायनियर संवाददाता ◂ तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

रायपुर जिला के तिल्दा नेवरा सहित वह अंचलो में देवउठनी एकादशी का पर्व हर्षोउल्लास एवं भक्ति भावना के साथ मनाया गया। वही ग्राम बिलाड़ी में देवउठनी एकदाशी पर्व के रात्रि 12 बजे के लगभग गोड़ आदिवासी समुदाय के लोगों द्वारा गौरा गौरी की स्थापना के पूर्व गड़वा गाजे बाजे के साथ गांव के ही अखाड़े टिम के सदस्यों द्वारा एक से बढ़कर एक आखाड़ा करतब दिखाया गया। उसके उपरांत गौरा के बरात के पछच्यात गड़वा गाजे बाजे में गौरा गौरी को (गौरा गौरी) चौक में ले जाने के बाद समाज के लोगों द्वारा स्थापना की गई उसके उपरांत खुब आतिश बाजी की और समाज की महिलाओं द्वारा गौर गौरी गीत भी गायन किया गया। देवउठनी के दूसरे दिन बुधवार को गोड़ आदिवासी समाज के महिलाओं द्वार अपने ईष्ट देव गौरा गौरी की पुरी रिति रिवाज के साथ पुजा अर्चना की गई व अन्य समाज के महिलाओं द्वारा पूजा पाठ कर भगवान से अपने परिवार व गांव की सुख समृद्धि वह खुशहाली की कामना की गई। तत्पश्चात अपने स्वेच्छा अनुसार श्रीफल व चावल भी चढ़ाया गया। आदिवासी समुदाय के लोगों द्वारा सुबह 11 बजे से गड़वा गाजे बाजे की धुन में गौरा गौरी विसर्जन का शोभा यात्रा निकाली गई जो की गांव के मुख्य मुख्य चौक चौराहो से होते हुए गांव के ही महमाया मंदिर में माँ की पुजा अर्चना की गई व गड़वा गाजे बाजे में नाचते झुमते समाज के पुरुष वह महिला दिखे उसके उंपरात बिलाड़ी के गतवा तलाब में गौर गौरी की शोभा यात्रा समाप्त हुई। अंत गोड़ आदिवासी समाज के महिलाओं द्वारा अपने ईष्ठ देव गौरा गौरी की विधिवत् पुजा अर्चना कर अंतिम विदाई दी गई। जिसमें मुख्य रूप से समाज के पदाधिकारी बसंत ठाकुर, राम सिंह ध्रुव, अशोक कुमार ध्रुव, शिवनरायण ध्रुव, दिनेश ध्रुव, विजय ध्रुव, सुरेश ध्रुव, हिरेन्द्र ध्रुव, किरण ध्रुव, नितेश ध्रुव, सिताराम ध्रुव, दिलहरण ध्रुव,खिलावन ध्रुव एवं सैकण्डो की संख्या में महिलाएं व पुरुषों की उपस्थिति रही।

कसडोल में नंदकुमार धीवर ने किया धान खरीदी का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ◂ कसडोल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी प्रक्रिया की शुरूआत हो गई है। इसी तारतम्य में धान उपार्जन केन्द्र कसडोल (मोहतरा) में सहकारी समिति मर्यादित कसडोल में मुख्य अतिथि नंदकुमार धीवर व गणेश शंकर साहू जिला कोषाध्यक्ष भाजयुमो के आतिथ्य में विधिवत पूजा अर्चना करके धान खरीदी का उद्घाटन किया गया। अन्नदाता किसान हमारे छत्तीसगढ़ की आत्मा हैं, उनकी मेहनत को पूरा दाम और सम्मान मिले, इसके लिए हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार तत्पर है। हमारी सरकार किसानों से उनके पूरी उपज को खरीदने, खरीदी में पूरी पारदर्शिता बरतने और तय समयसीमा में भुगतान करने पर विशेष ध्यान दे रही है। बता दें कि इस बार 100त्न ऑनलाइन और ऑफलाइन टोकन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उक्त कार्यक्रम में नन्द कुमार धीवर, गणेश शंकर साहू जिला कोषाध्यक्ष भाजयुमो, प्रदीप मिश्रा पार्षद नपं कसडोल, रविकांत बंजारे, धनंजय साहू, डी.के.भारद्वाज सहकारिता विस्तार अधिकारी, बी.एल.साहू ब्रांच मैनेजर, आर के शर्मा सुपरवाइजर, विवेक पटेल तहसीलदार कसडोल, ऋषिकेश मिश्रा पटवारी, समिति के कर्मचारीगण और किसान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग के ग्रामों में हुआ पशु चौपाल का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◂ तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश तथा शासन के निर्देशों के परिपालन में जनपद पंचायत तिल्दा के राष्ट्रीय राजमार्ग अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों तारपोंगी, सद्दू, मोहदा, सांकरा, भूमिया और बेमता में पशु चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें पशुपालकों के साथ साथ आम ग्रामीणों को सड़क पर पशुजनित दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में जानकारी दी गई। इसके लिए उपस्थित ग्रामीणों को शपथ दिलाकर अपने मवेशियों को उचित स्थान पर रखने का अनुरोध किया गया, जिससे पशु सड़कों पर विचरण न करें और दुर्घटनाओं में होने वाली जनधन की हानि को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत भूमिया में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एक पशु चबूतरा का निर्माण भी किया गया है, जिससे आवारा पशु सड़क पर न बैठें। चबूतरे में चारे पानी की भी व्यवस्था की गई है। आने वाले समय में इस प्रकार के और पशु चबूतरे बनाए जाने की संभावना है।

जिले के 44 संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्र प्रभारी हटाए गए

पायनियर संवाददाता ◂ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर उप आयुक्त सहकारी एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं द्वारा धान खरीदी खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 अंतर्गत जिले के 44 धान उपार्जन केन्द्रों को विगत वर्षो में हुए धान की अप्रत्याशित कमी, सुखत, अव्यवस्था, उपार्जित धान के निराकरण में लापरवाही एवं उदासिनता के आधार पर संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्रों के रूप चिन्हाकिंत किया गया है। धान खरीदी नीति अनुसार धान उपार्जन केन्द्रों में सुचारू रूप से धान खरीदी कार्यो का समुचित क्रियान्वयन कराये जाने के दृष्टिकोण से गत वर्ष 2023-24 में संलग्न उपार्जन केन्द्र प्रभारियों को धान खरीदी कार्य से पृथक किया गया है। तथा समिति के अन्य सेवायुक्तो को धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालन हेतु अविलंब धान खरीदी केन्द्र प्रभारी एवं धान खरीदी में संलग्न कर्मचारियों की नियुक्ति करना सुनिश्चित किया गया है। 44 संवेदनशील धान उपार्जन केन्द्र हटाए गए प्रभारियों में बलौदाबाजार विकासखण्ड अंतर्गत कोहरौद से राम रजक, सरखोर गोपी, डमरू कृष्णा साहू, मरदा मनहरण साहू, अहिल्दा मेष कुमार साहू धाराशिव गोपाल साहू, डोगरीडीह रामकुमार साहू, करदा शिवदत्त साहू, सिरियाडीह गोविन्द पटेल, कोयदा करण लाल दिनकर, खैरा सुरेश शर्मा, भालुकोना सुरेश साहू, सुढेला रोमन पैकरा, बिटकुली विरेन्द्र साहू, लवन चन्द्रमौली गंधर्व, मुण्डा शेखर चंद साहू, कसडोल विकासखण्ड अंतर्गत कुसुमसरा फणेंद्र कुमार साहू, सेल महेश कुमार साहू, छान्छी संदीप कुमार वर्मा, कुम्हारी रामेश्वर प्रसाद वर्मा, हसुवा शिवप्रसाद साहू, टुन्ड्रा रामाप्रसाद साहू, नरधा सुखदेव साहू, देवरीनगेडी मिथलेश नायक, चान्दन भोलानाथ नायक, गोलाझर परमानन्द साहू, सिमगा विकासखण्ड अंतर्गत सकलोर चन्द्रशेखर साहू, शिकारीकेसली शंकर लाल वर्मा, खपराडीह पीताम्बर वर्मा, भाटापारा विकासखण्ड अंतर्गत खैरा (निपनिया) प्रताप यदु, मल्दी विजय वर्मा, खैरी मूलचंद वर्मा, पलारी विकासखण्ड अंतर्गत कोनारी राजेंद्र चेलक, सलौनी बलराम पटेल, कोसमंदा दुर्गा प्रसाद कन्नौजे, रेंगाडीह ललित साहू, खरतोरा अशोक भारद्वाज,बोहारडीह मनहरण साहू, वटगन परमानन्द बंजारे, सिसदेवरी कृष्ण कुमार फेकर, लच्छनपुर बिरेन्द्र साहू, बलौदी सुभाष मिश्रा, जारा पंचराम ध्रुव, छेरकापुर रूपराम सेन शामिल है।

विधायक चातुरी नंद के जन्मदिन पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने किया मरीजों को फल वितरण

भंवरपुर । भंवरपुर के कांग्रेस जन श्रवण पटेल, पूरन पटेल,रामप्रसाद नंदा,ठंडा राम पटेल, धागराम नायक, दयानिधि पटेल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष मनोज पटेल, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष विक्की वैष्णव मिडिया प्रभारी सत्या भोई द्वारा अस्पताल पहुंचकर सरायपाली विधायक चातुरी नंद के जन्मदिन के उपलक्ष्य मे मरीजों को फल वितरण किया गया।

जिला रेडक्रॉस की सामान्य सभा की हुई बैठक

पायनियर संवाददाता ◂ बलौदाबजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर सह अध्यक्ष रेड क्रॉस सोसायटी जिला बालोदबाजार भाटापारा दीपक सोनी के निर्देशानुसार 13.11.2024 जिले में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में साधारण बैठक का आयोजन किया गया। साधारण सभा के बैठक के लिए सभी सदस्यों को व्हाट्स ऐप ग्रुप में तथा समाचार पत्र में प्रकाशन के माध्यम सभी सदस्यों को सूचना दी गई थी 7 बैठक में निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर अधिकारी भूपेन्द्र अग्रवाल एवं राज्य शाखा भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी से पर्यवेक्षक शिवानंद मिश्रा तथा जिला शाखा के संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की उपस्थिति में जिले के प्रबंध समिति का गठन किया गया। बैठक में विनय मिश्रा रेडक्रॉस समन्वयक द्वारा सभी सदस्यों को रेडक्रॉस सोसायटी की समान्य जानकारी प्रदाय की गई साथ ही विगत वर्शो में रेडक्रॉस अंतर्गत जिले में की गई गतिविधियो से अवगत कराया गया तथा वर्तमान में जिले में रेडक्रॉस अंतर्गत 400 से अधिक सदस्य बनाये जा चुके है की जानकारी भी दी गई। उपस्थित सदस्यों खोडस्राम कश्यप द्वारा स्कूलों में संचालित जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी को बेहतर किये जाने एवं समय-समय पर उचित क्रियाकलाप कराये जाने और अधिक से अधिक वालिल्टियर बनाये जाने का सुझाव दिया गया। परमेश्वर यदु द्वारा रेडक्रॉस सोसायटी अंतर्गत ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किये जाने एवं अधिक से अधिक लोगो को ब्लड डोनेशन हेतु जानगरूक कये जाने का सुझाव दिया गया। बैठक में डॉ राजेश अवस्थी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सचिव शाखा भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी बलौदाबाजार के द्वारा सभी सदस्यों को अधिक से अधिक आजीवन सदस्य बनाये जाने का अग्रह किया गया एवं बैठक में उपस्थित होने और प्रबंध समिति के गठन किए जाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

सेवा भावना का विकास राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य : कविता

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कंडेल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर महानदी के पावन तट पर स्थित ग्राम देवपुर में शुभारंभ कविता योगेश बाबर वन सभापति जिला पंचायत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। स्वामी विवेकानंद जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलन कर एवं झंडारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच चेतन ने की। अतिथि स्वागत उपरांत अपने उद्बोधन में बाबर ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का गठन 1969 में महात्मा गांधी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर इस उद्देश्य के साथ की गई कि उच्च शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्व चेतना स्वप्रेरित अनुशासन के साथ श्रम के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न हो। विद्यार्थी अपने रिक्त समय एवं अवकाश का सदुपयोग कर समाज सेवा करें तथा अपनी शिक्षा की पूर्णता तथा वास्तविक परिस्थितियों से साक्षात्कार भी कर सके जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास हो। राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से व्यक्ति का विकास है तथा समुदाय में भी कार्य करने और उसे समझना और समुदाय के परिपेक्ष्य में स्वयं को समझना एवं समुदाय की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की पहचान कर उनका समाधान करना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। कायक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित कर उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आह्वान किया कि वे इस योजना के मुख्य उद्देश्य को पूर्ण रूप से पालन कराना एवं जन समुदाय में नेतृत्व की भावना पैदा कर एकता का संदेश देना ही योजना को सफल बनाएगा। कार्यक्रम के इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला के प्राचार्य एस के साहू, राहुल नेताम, प्राचार्य सेजेस कंडेल नारायण साहू, विधायक प्रतिनिधि आत्मा राम ध्रुव, जयपाल ध्रुव, डॉक्टर रामकृष्ण साहू, ऋषभ चंद्राकर, रितेश यादव, तिलक राम साहू एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालय एवं आसपास के स्कूलों के छात्र छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों नें शासन की योजनाओं का किया प्रचार

पायनियर संवाददाता ◂ कुरूद
www.dailypioneer.com

संत गुरु घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद की राष्ट्रीय सेवा योजना योजना इकाई 01 का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम भैंसमुंडी में आयोजित किया गया थ, जिसमें कार्यक्रम अधिकारी विजय कुमार के निर्देशन में स्वयंसेवकों के द्वारा ग्राम सर्वे कर गाँव के लोगों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनधन बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुकन्या योजना, पास्को एक्ट आदि की जानकारी गाँव वालों को दी गई एवं योजना से लाभान्वित लोगों का साक्षात्कार कर आंकड़ों का संग्रहण किया गया। स्वयंसेवकों में प्रमुख रूप से मोजेश कुमार साहू, जागेन्द्र सिंह, केशव ध्रुव, यामिनी कंवर, भूमिका डाहरे आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कांग्रेस नेताओं ने मनाई पं.नेहरू की जयंती, युवाओ ने थामा कांग्रेस का हाथ

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर के द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन धमतरी मे मनाई गई। इस दौरान उपस्थित सभी ने पंडित नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। साथ ही सभी ने चाचा नेहरू अमर रहे तथा भारत माता की जय हो.. के नारे लगाए। इसके पश्चात वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओ ने अपने संबोधन में पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन-चरित्र तथा त्याग पर प्रकाश डाला एवं उपस्थित सभी से उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए जीवन को सार्थक बनाने का आव्हान किया एवं देश को दिए गए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। इस मौके पर जालमपुर वार्ड के बिट्टू सिन्हा सहित युवाओं को उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेसी साफा पहनाकर कांग्रेस प्रवेश करवाया एवं कांग्रेस विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने की बात कही एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान महापौर विजय देवांगन, लेखराम साहू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आकाश गोलछा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय प्रकाश जैन, पार्षद राजेश ठाकुर, राजेश पांडे, ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष योगेश शर्मा, ब्लॉक महामंत्री आशुतोष खरे, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव उदित नारायण साहू, दीपक साहू, संजू साहू, पवन यादव, सूरज पासवान, मिथलेश साहू, शेख शोहेल, बिट्टू सिन्हा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लंबर धान उपार्जन केन्द्र में पहले ही दिन अट्ठारह सौ क्विंटल धान की खरीदी

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

सहकारी समिति धान उपार्जन केन्द्र लंबर में पहले ही दिन सैंतीस किसानों का टोकन कटा था जिसमें अट्ठारह सौ क्विंटल धान की खरीदी की गई है सबसे पहले धान उपार्जन केन्द्र में मां सरस्वती जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर विधि विधान के साथ नारीयल फोड़ कर पूजा अर्चना कर धान खरीदी की गई जिसमें समीती प्रबंधक तुलाराम चौहान के द्वारा किसानों का धान को तौल कर धान खरीदी का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर किसानों के साथ साथ समिति सदस्य भी मौजूद थे धान खरीदी के लिए समिति द्वारा चाक चौबंद इंतजाम किया गया है ताकि किसानों को किसी भी तरह से कोई परेशानी का सामना करना न पड़े धान बेचने आये किसान काफी खुश नजर आ रहे थे किसानों की सुविधा के लिए समिति द्वारा टोकन गारम वार किया गया है जिससे किसानों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

बाल दिवस के अवसर पर स्कूलों में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ◂ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

बाल दिवस के अवसर पर बलौदा बाजार के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय रघुनाथ प्रसाद केसरवानी शासकीय उत्तर बुनियादी प्राथमिक शाला बलौदा बाजार मैं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेश केसरवानी भाजपा जिला उपाध्यक्ष कार्यक्रम की अध्यक्षता ताराचंद कनौजे विशिष्ट अतिथि पार्षद रीता केसरवानी मोनम गजेंद्र उपाध्यक्ष एसएमसी संजय वास के मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं छत्तीसगढ़ी नृत्य की प्रस्तुति दी। बाल दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा मौजूद सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी तथा उन्होंने बताया कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस भी है तथा नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे तथा हर बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने हर बच्चों को शिक्षित करने के लिए जी जान लगा देते थे इसीलिए पंडित जवाहरलाल नेहरू को चाचा नेहरू कह कर संबोधित किया जाता है। इस अवसर पर कविता चंद्राकर प्रधान पाठक दौलत राम वर्मा साधना पन्ना योगेश्वरी जांगड़े चोवाराम साहू हेमलता पर सहित स्कूल का पूरा स्टाफ व बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया कार्यक्रम के पश्चात सभी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

देवउठनी एकादशी पर मनाया गया गौरा-गौरी महोत्सव

पायनियर संवाददाता ◂ लवन
www.dailypioneer.com

देवउठनी एकादशी तुलसी विवाह के पावन अवसर पर लवन तहसील के आसपास के गॉवो सहित लवन नगर में गौरा गौरी महोत्सव का कार्यक्रम उत्साह भाव से मनाया गया। देवउठनी एकादशी के एक दिन पूर्व गौरा गौरी स्थापित कर विधिवत मांदर की थाप पर नाचते गाते हुए ग्रामीणों के द्वारा भगवान भोलेनाथ माता पार्वती का विधिवत नगर स्थित तालाब में विसर्जित कर क्षेत्र की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना किये।इस अवसर पर बड़ी संख्या में नगर लवन वासियों की भीड़ विसर्जन के दौरान उमड़ा रहा। आपको बताते चलें कि गौरा गौरी महोत्सव कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की बहुत प्राचीन धार्मिक कार्यक्रम में है। जिसकी शुरुआत कई सालों पूर्व से हुआ है जो आज भी नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिलता है।इस तरह का आयोजन भक्ति भावना की ओर प्रेरित करने के साथ साथ छत्तीसगढ़ की प्राचीन परंपरा को सहेजने का भी सुअवसर होता है जिनसे कोई भी वंचित नहीं होना चाहते हैं शायद यही कारण है कि दीपावली पर्व से ही यह महोत्सव की शुरुआत होती है जो देवउठनी एकादशी को भी रहता है।

अवैध शराब विक्रेता गिरफ्तार

धमतरी। धमतरी पुलिस चौकी बिरेझर को मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति द्वारा कचना अंबेडकर चौक के पास अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री किया जा रहा हैं। सूचना के आधार पर तत्काल बिरेझर पुलिस द्वारा शराब रेड कार्यवाही कर आरोपी किशोर टंडन उर्फकरन पिता सोनसाय टंडन उम्र 22 वर्ष साकीन कचना के कब्जे से थैले के अंदर 05 पौवा देशी मशाला कीमती 550 रूपये, 04 पौवा आईकान प्रीमियम व्हिस्की, 04 पौवा कीमती 520 रूपये एवं बिक्री रकम 230 रूपये कुल कीमत 1300 रूपये को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध चौकी बिरेझर, थाना कुरूद में अप0 क्र0 484/24 धारा 34-1-ख आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

हटकेश्वर महादेव मंदिर के साथ जुड़ी है एक दिलचस्प कहानी

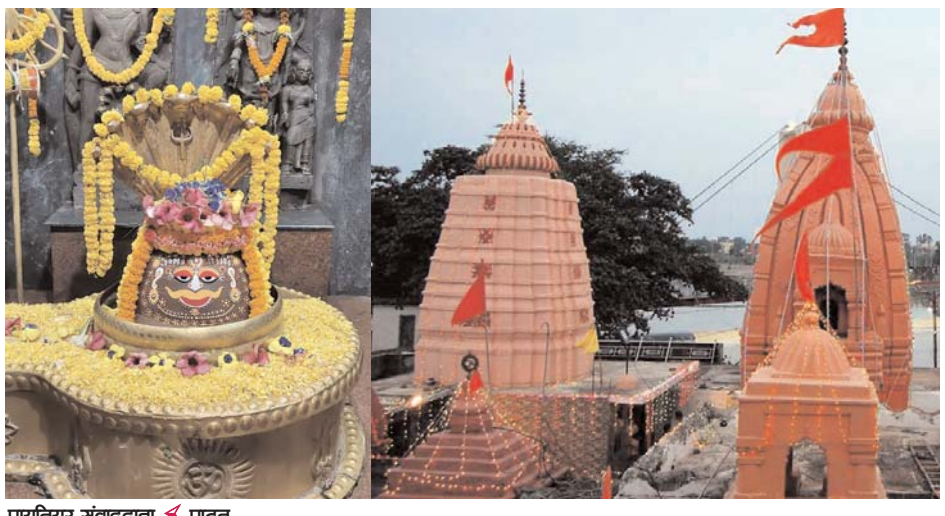

पायनियर संवाददाता ➤ पाटन
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में महादेव घाट पर हटकेश्वर महादेव का चमत्कारिक मंदिर है। खारुन नदी के तट पर स्थित महादेव मंदिर के पीछे त्रेता युग की एक दिलचस्प कहानी जुड़ी हुई है। जिसके चलते यहां देशभर ही नहीं विदेशों से भी श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर खारुन नदी के तट पर होने की वजह से महादेव घाट के नाम से प्रसिद्ध है। रायपुर शहर से 8 किमी दूर स्थित कई वर्षों पुराना भगवान शिव का यह मंदिर प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। आस्था के सैलाब में गोता लगाने के लिए श्रद्धालु महादेव घाट कार्तिक पुन्नी के दिन पहुंचते हैं। मान्यता है कि वर्षों से पुराने इस शिवलिंग के दर्शन मात्र से भक्तों की हर इच्छा पूरी हो जाती है। छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध मंदिरों में शुमार इस मंदिर में दर्शन करने के लिए देश के कोने-कोने से लोग आते हैं। बारीक नक्काशी से सुसज्जित इस भव्य मंदिर की आंतरिक और बाहरी कक्षों की शोभा देखते ही बनती है। बताते हैं कि इस मंदिर के मुख्य आराध्य भगवान हटकेश्वर महादेव नागर ब्राह्मणों के संरक्षक देवता माने जाते हैं। गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग के पास ही राम जानकी, लक्ष्मण और बरहादेव की प्रतिमा है।

हनुमानजी अपने कंधे पर शिवजी को लाये थे

भगवान हनुमान जी शिव जी को अपने कंधे पर यहां लेकर आए थे। इस कथा के चलते ही यह मंदिर दूर-दूर तक जाना जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर की मान्यता भगवान श्रीराम के वन गमन के समय हुई थी। वनवास के दौरान जब वे छत्तीसगढ़ के इस इलाके से गुजर रहे थे, तब इस शिवलिंग की स्थापना लक्ष्मणजी के हाथों हुई थी। कहा जाता है कि स्थापना के लिए हनुमानजी अपने कंधे पर शिवजी को लेकर निकल पड़े, बाद में ब्राह्मण देवता को आमंत्रण करने गए तब तक देर हो गई। इधर लक्ष्मणजी देरी होने से क्रोधित हो रहे थे, क्योंकि स्थापना के समय में देर हो गई थी। जहां स्थापना की योजना बनाई थी, वहां न करके स्थापना के समय को देखते हुए खारुन नदी के तट पर ही स्थापना की।

पिंडदान का विशेष पूजन

खारुन नदी के बीचों-बीच जाकर यहां पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान भी किया जाता है। गया और काशी की तरह यहां विशेष पूजा पाठ भी किया जाता है।

कार्तिक-पूर्णिमा पर लगता है मेला

रायपुर शहर की प्रारंभिक बसाहट खारुन नदी के तट पर स्थित महादेव घाट क्षेत्र में हुई थी। रायपुर के कलचुरी राजाओं ने सर्वप्रथम इस क्षेत्र में अपनी राजधानी बनाई थी। राजा ब्रह्मदेव के शिलालेखों से ज्ञात होता है कि हाजीराज ने यहां हटकेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कराया था। वर्तमान में खारुन नदी के तट के आस-पास अनेक छोटे-बड़े मंदिर बन गए हैं। लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण हटकेश्वर महादेव का मंदिर है। यह मंदिर बाहर से आधुनिक प्रतीत होता है, किंतु संपूर्ण संरचना को देखने से इसके उत्तर-मध्यकालीन होने का अनुमान किया जा सकता है। यहां कार्तिक-पूर्णिमा के समय एक बड़ा मेला लगता है। महादेव घाट में ही विवेकानंद आश्रम के संस्थापक स्वामी आत्मानंद (1929-1981) की समाधि भी स्थित है।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी...बटईकेला के ठीरू राम नागवंशी की हत्या का आरोपी बलसाय पैंकरा रायगढ़ जिला के पूंजीपथरा से गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मृतक ठीरू राम नागवंशी उम्र 38 साल अपने गांव बटईकेला के खेत तरफ से झाड़ू में इस्तेमाल करने की घांस को अपने सायकल के पीछे तरफ ढोकर आ रहा था, केंवटीनडाड़ के पीएमजीएसवाई के पास आम रास्ता में पहुंचने पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके मुंह पर नुकीली वस्तु से वार कर हत्या कर दिया। मृतक के भाई हीरू राम नागवंशी उम्र 35 साल की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध थाना कांसाबेल में भा.न्या.सं. की धारा 103(1) का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी द्वारा उप पुलिस अधीक्षक विजय राजपूत एवं थाना प्रभारी कांसाबेल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी के निर्देश दिये गये, टीम में सायबर सेल को भी सम्मिलित किया गया। प्रकरण की विवेचना दौरान ज्ञात हुआ कि मृतक ठीरू राम नागवंशी के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने से लगभग 02 साल पूर्व मृतक की पत्नी और आरोपी बलसाय पैंकरा दोनों रायगढ़ में ज्यादा मजदूरी मिलेगा कहकर वहां काम करने गये थे। मृतक की पत्नी को मजदूरी का पैसा आज तक नहीं मिला है, मजदूरी में मिले पूरे पैसा को बलसाय पैंकरा अपने पास रख लिया था। इस बात को लेकर ठीरू राम नागवंशी एवं बलसाय पैंकरा के बीच विवाद होता रहता था। लगभग 05 माह पूर्व भी दोनों के मध्य मजदूरी के पैसों को लेकर विवाद था, एवं इसको लेकर प्रार्थी हीरू राम नागवंशी तथा ठीरू राम नागवंशी दोनों मिलकर बलसाय पैंकरा को मारपीट किये थे, इस कारण से अपमानित होने पर बलसाय पैंकरा विवाद रखता था एवं कहता था कि जिस दिन मौका मिलेगा दोनों भाईयों का मार डालूंगा। पुलिस टीम द्वारा इसी आधार पर प्रकरण के संदेही बलसाय पैंकरा की पता-तलाश की जा रही थी, जो अपने घर से फरार था। इसी दौरान मुखबिर से बलसाय पैंकरा के ग्राम केरजू थाना सीतापुर क्षेत्र में जाने की सूचना मिली। पुलिस टीम द्वारा उसका पीछा करने पर वह वहां से कहि भाग गया, इस पर रायगढ़ जिला के थानों एवं पत्थलगांव में नाकाबंदी कर फरार संदेही बलसाय पैंकरा की सरगर्मी से तलाश की जा रही थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक विजय राजपूत एवं रायगढ़ पुलिस से उप पुलिस अधीक्षक अभिनव उपाध्याय एवं उनकी टीम द्वारा संयुक्त रूप से एक जाल बुनकर कार्यवाही कर दबिश देकर प्रकरण के संदेही आरोपी बलसाय पैंकरा को बीती रात्रि 03 बजे पूंजीपथरा ईलाके के एक घर से अभिरक्षा में लिया जाकर वापस थाना लाया गया। पूछताछ में बलसाय पैंकरा ने उक्त अपराध को घटित करना स्वीकार करते हुये बताया कि यह 10 नवंबर को अपनी मोटरसायकल से 03 बार ठीरू राम नागवंशी के घर के आस-पास मारने के उद्देष्य से गया था, किन्तु मौका नहीं मिलने पर वह वापस अपने घर आ गया।

सक्ती कलेक्टर तोपनो पहुंचे देवरघटा के धान खरीदी केंद्र में

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले में 14 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सबसे बड़ा अभियान शुरू हो गया है। किसान हित में राज्य सरकार का लगभग ढाई महीने तक चलने वाला यह सबसे बड़ा अभियान होगा। धान खरीदी 14 नवम्बर से शुरू होकर 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। धान खरीदी केन्द्रों से लेकर जिला कार्यालयों तक खरीदी से जुड़ी तमाम प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने आज देवरघटा धान उपार्जन केन्द्र पहुँचकर धान खरीदी के कार्यो का निरिक्षण किया तथा धान उपार्जन केन्द्र देवरघटा में आज भारत माता के तैलचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर और नारियल फोड़कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया, इसके साथ ही उन्होंने धान उपार्जन केन्द्र देवरघटा में धान बेचने पहुंचे किसान को भी माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। कलेक्टर तोपनो ने धान खरीदी केन्द्र में लाये गए धान में नमी की मात्रा का अपनी उपस्थिति में जाँच कराया तथा धान खरीदी से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को धान बेचने आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी। कलेक्टर ने शासन से प्राप्त निर्देशानुसार धान खरीदी कार्य व्यवस्थित रूप से कराए जाने के निर्देश दिए हैं। जिले के 125 उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की जाएगी। जिले के किसानों में धान खरीदी को लेकर भारी उत्साह का माहौल है, उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में शासन के उपार्जन नीति के तहत् धान खरीदी 14 नवंबर से 31 जनवरी तक समर्थन मूल्य पर मोटा, सरना धान खरीदी 2300 रुपये प्रति क्विंटल एवं पतला धान 2320 रुपये

जिले में ''माटी के वीर पदयात्रा'' का हुआ भव्य आयोजन

खेलकूद में उपलब्धि हासिल करने वाले 32 खिलाड़ी समानित

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में विगत दिवस जशपुर जिले में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में माटी के वीर पदयात्रा का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में खेलकूद सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले जनजातीय युवाओं तथा माई भारत से जुड़े वॉलेंटियर को सम्मानित किया गया। केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया और मुख्यमंत्री साय के द्वारा ''माटी के वीर पदयात्रा'' शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान खेलकूद सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त 32 जनजातीय खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जशपुर जिले से सम्मानित किए गए खिलाड़ियों में राष्ट्रीय स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता प्रिंसी कुजूर, इस्तीमा केरकेट्टा, राष्ट्रीय स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में प्रियांसी कुजूर, ममता कुजूर, सॉफ्टबाल में स्वर्ण पदक प्राप्त नन्दिनी भगत, अंकिता भगत, बीसीसीआई सीनियर महिला एक दिवसीय व टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में चयनित कु. प्रांशु प्रिया धनसोन, रणजी क्रिकेट, सा.पी.ए., एम.आर.एफ फाण्डेशन में पास, मुंबई इंडियन का ओर से इंग्लैण दौरा खिलाड़ी प्रशांत साय पैंकरा, अंडर-19 एवं स्कूल नेशनल में चयनित आंकाक्षा रानी, नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त प्रतीक बड़ा एवं देवेश कंवर शामिल हैं। इसी प्रकार सम्मानित जनजातीय खिलाड़ियों में खेलो इंडिया फेस-1 दिल्ली में प्रतिभागिता सब-नेशनल खिलाड़ी दामिनी खुसरो, खेलो इंडिया फेस-2 दिल्ली में सेलेक्टर जूनियर नेशनल खिलाड़ी मधु सिदार, ऑल इंडिया हॉकी टूर्नामेंट राजनांदगांव में प्रतिभागिता सीनियर नेशनल खिलाड़ी संदीप ठाकुर, सब-जूनियर वेस्ट जोन हॉकी नेशनल चौम्पियनशिप राजनांदगांव में ब्रांज मेडल विजेता प्रितम कुजूर, 2री खेलो इंडिया सब जूनियर महिला हॉकी लीग फेस-1 नई दिल्ली में विजेता स्मिता कुजूर एवं रिया खलखो, 2री खेलो इंडिया वेस्ट जोन पुरूष-महिला जूनियर नेशनल चौम्पियनशिप राजनांदगांव में ब्रांज मेडल विजेता अश्विन कुजूर, 2री खेलो इंडिया वेस्ट जोन पुरूष-महिला जूनियर नेशनल चौम्पियनशिप गुजरात में ब्रांज मेडल विजेता अनिकेत कुजूर एवं अकविनाश तिग्गा, 42वीं एनटीपीसी राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता पण्जी गोवा में सिल्वर विजेता अजय कुमार, 67वी राष्ट्रीय शालेय गेम्स तीरंदाजी प्रतियोगिता गुजरात में ब्रांज मेडल विजेता तुलेश्वरी खुसरो, महाराजा प्रवीरचंन्द्र भंजदेव सम्मान 2017 में गोल्ड विजेता यशपाल धृवे एवं पायल मरावी, महाराजा प्रवीरचंन्द्र भंजदेव सम्मान 2020 में गोल्ड विजेता सर्वज्ञ मरकाम, 29वीं जूनियर नेशनल फेसिंग चौम्पियनशिप सोनीपत हरियाणा में गोल्ड विजेता हिमांशु नेताम, 72वीं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चौम्पियनशिप बेगलुरू में सिल्वर विजेता साक्षी भगत, जनजातीय खेल महोत्सव भुनेश्वर उड़ीसा में गोल्ड विजेता कु. किरण पिस्दा, कु. नीलिमा खाखा, एवं प्रियंका कुमारी राज, 71वीं नेशनल बास्केटबॉल चौम्पियनशिप 2022 में ब्रांज मेडल विजेता मानसी मरकार एवं संदीप कुमार शामिल हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद राधेश्याम राठिया एवं चिंतामणी महराज, विधायक गोमती साय, रायमुनि भगत, राम कुमार टोप्पो, सुशांत शुक्ला, राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियम्बदा सिंह जूदेव सहित प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, रणविजय सिंह जूदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में युवा और नागरिकगण उपस्थित थे।

सांकरा उपार्जन केंद्र में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने धान खरीदी का किया शुभारम्भ

- किसानों को धान विक्रय में सहूलियत के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था के निर्देश
- शिकायत एवं निवारण के लिये हेल्प लाइन नंबर 0771-2425463 जारी

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने तिल्दा विकासखंड के ग्राम सांकरा में विधिवत पूजा अर्चना कर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में से एक धान खरीदी का आज प्रदेश में प्रारम्भ हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के जीवन में समृद्धि, आत्मनिर्भरता, विकास और खुशहाली के लिये योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य के सभी 2739 उपार्जन केंद्रों में 14 नवम्बर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक किसानों से समर्थन मूल्य पर धान क्रय किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने सांकरा उपार्जन केंद्र में शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। ज्ञात हो कि सभी उपार्जन केन्द्रों में बायोमैट्रिक डिवाईस के माध्यम से उपार्जन की व्यवस्था की गई है। छोटे, सीमांत और बड़े कृषकों के द्वारा उपजाये गए धान को निर्धारित समर्थन मूल्य में खरीदा जाएगा। इसके लिए 07 नवंबर से ही टोकन आवेदन की व्यवस्था आरंभ कर दी गई है। खरीदी सीजन में लघु एवं सीमांत कृषकों को अधिकतम 2 टोकन एवं बड़े कृषकों को 3 टोकन की पात्रता होगी। खरीदी केंद्रों में तौल हेतु इलेक्ट्रानिक कांटा-बांट की व्यवस्था किया गया है। खरीदी केंद्रों से धान का उठाव मिलर एवं परिवहनकर्ता के माध्यम से समयानुसार कराने के निर्देश दिये गये हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था से लेकर किसानों के लिए छाया, पानी आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय करने आये किसानों को किसी भी समस्या या शिकायत के निवारण के लिये हेल्प लाइन नंबर भी चस्पा कर दिये गये हैं। विपणन संघ मुख्यालय स्तर पर शिकायत निवारण हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है, जिसका नं. 0771-2425463 है। धान बेचने वाले किसानों को समय पर भुगतान हेतु मार्कफेड द्वारा राशि की व्यवस्था कर ली गई है। समितियों में राशि आहरण हेतु ''माइक्रो एटीएम'' की व्यवस्था भी दी जा रही है, जिससे कि किसानों को सुविधा हो। किसानों द्वारा समिति में धान विक्रय के 72 घंटे के भीतर राशि किसानों के बैंक खाते में अंतरित कर दी जायेगी।

दो मवेशी तस्कर को बम्हनीडीह पुलिस ने किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

दो मवेशी तस्कर को बम्हनीडीह पुलिस/सायबर सेल ने किया गिरफ्तार। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10, पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(घ), एवं BNS की धारा 325 के तहत कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर।13 नवंबर को सुबह थाना बम्हनीडीह/सायबर टीम को मुखबिर की सूचना मिली कि अशोक लाइलेंट वाहन क्रमांक CG 07- 3929 में मवेशी परिवहन कर ले जा रहे है की सूचना पर विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में रेड कार्यवाही कर वाहन की चेकिंग की गई। मौके पर आरोपी 01. साहेब लाल कुर्रे निवासी पेंड्री थाना मस्तूरी 02. नफीस खान निवासी गंगरवा, पोस्ट दबारा, जिला सिवनी (मध्य प्रदेश) को पकड़ा मौके पर वाहन चेकिंग करने पर पाया गया कि कुल 22 नग भैंसें बरामद हुई, जिनमें से पांच भैंसों की वाहन में ही मृत्यु हो चुकी थी। आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से थाना बम्हनीडीह में अपराध क्रमांक 99/24 धारा छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10, पशु क्रुरता अधिनियम की धारा 11(घ), एवं BNS की धारा 325 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा जप्त की गई 17 मवेशियों को ग्राम दुरपा के गौशाला में अस्थायी सुपुर्दनामा में सौंपा गया है तथा जप्त मवेशियों का पशु चिकित्सक से परीक्षण कराया गया है। प्रकरण के आरोपियों को मवेशी तस्करी करने के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर 13.11.2024 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, तथा प्रकरण के अन्य फरार है जिसकी पुलिस द्वारा पातासाजी की जा रही हैं मिलने पर गिरफ्तारी कार्यवाही कर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। प्रकरण की विवेचना कार्यवाही जारी है। सम्पूर्ण कार्यवाही उप पुलिस अधीक्षक अनिल कुर्रे के नेतृत्व में उनि पारस पटेल प्रभारी साइबर सेल, निरी. राजीव श्रीवास्तव थाना प्रभारी बम्हनीडीह, साइबर सेल जांजगीर से सउनि. विवेक कुमार सिंह, प्रधान आर. मनोज तिग्गा, विवेक सिंह, आर. प्रदीप दुबे, गिरीश कश्यप, रोहित कहरा, आनंद सिंह, अर्जुन यादव तथा थाना बम्हनीडीह स्टाफ की मुख्य भूमिका रही।

अवैध निर्माण पर लगाई जाए रोक, अखाड़ा तोड़ने वालों पर हो एफआईआर

हनुमान मंदिर मठ लोकन्यास ट्रस्ट के गठन के पूर्व हो चल अचल संपत्ति की जांच

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

श्री हनुमान व्यायाम शाला सेवा समिति के अध्यक्ष गिरधारी यादव व सचिव विकास तिवारी ने जांजगीर पहुंचकर अपर कलेक्टर से मिलकर उन्हें मुख्यमंत्री के नाम द्वारा कलेक्टर लिखित ज्ञापन सौपा है अखाड़ा समिति के पदाधिकारियों ने 7 बिन्दुओं मे दिए अपने ज्ञापन मे कहा है कि हनुमान मंदिर सर्वराकार नियुक्ति को लेकर कन्हैयादास सहायक मैनेजर श्री रामनाम बैंक मणीराम दास छावनी अयोध्या व हनुमान मंदिर डोंगघाट चांपा के मनोनीत सर्वाकर के मध्य जिला न्यायालय में न्यायालय विवाद लंबित है इस आधार पर देखा जाए तो विवाद की स्थिति मे लोक न्यास ट्रस्ट का गठन किया जाना उचित नहीं होगा इसके पूर्व उसकी चल अचल संपत्ति की मांग करते हुए हनुमान मंदिर की भूमि पर वर्तमान में कौन-कौन काबिज हैं क्या उन्हें लीज पर दिया गया है या किराया दिया गया है या उन्हें बेचा गया है यदि ऐसा है तो उनकी लीज की अवधि किराए का वर्तमान आधार पर राशि निर्धारण की जांच की जानी चाहिए अखाड़ा समिति ने यह भी मांग किया है कि क्या डोगाघाट मंदिर के भूमि को बेचने का अधिकार मनोनीत महंत व समिति के सदस्यों को है यदि हां तो अभी तक हनुमान मंदिर की भूमि से प्राप्त आय व्यय का हिसाब होना चाहिए श्री हनुमान व्यायाम शाला सेवा समिति के अध्यक्ष गिरधारी यादव ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि 70 वर्ष पूर्व तपसी बाबा बालमुकुंद जी महाराज द्वारा स्वर्गीय गुरुजी मोहित राम यादव कोअखाड़ा खुलवाकर उसका संस्थापक बनाया था उक्त अखाड़ा भवन का ताला तोड़कर मंदिर महंत व समिति के सदस्यों के द्वारा ध्वस्त कर दिया गया जिससे धार्मिक भावना आहत हुई है अखाड़ा की सामग्री संपत्ति का नुकसान हुआ है स्व गुरूजी की मूर्ति को हटाने से उनकी मान हानि हुई है यह सब कृत्य अखाड़ा भवन का ताला तोड़कर बलात बिना इजाजत के किया गया अपराधिक कृत्य है जिसमें अभी तक दोषियों पर शिकायत के बाद भी एफ आई आर कार्यवाही नहीं की गई है मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में यह भी मांग किया गया है कि विवाद स्थल का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बाद भी गैर कानूनी रूप से मनोनीत नारायणदास व मनोनीत सचिव बजरंग लाल डिडवानिया द्वारा अवैध रूप से गैर कानूनी तोड़फोड़ के साथ मंदिर ट्रस्ट गठन की मांग व अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है जिस पर तत्काल रोक लगाना चाहिए।श्री हनुमान व्यायाम शाला सेवा समिति के पदाधिकारी ने कहा कि जन आस्था का प्रमुख केंद्र हनुमान मंदिर चांपा लोगों के दान भूमि एवं आर्थिक सहयोग से निर्मित किया गया सार्वजनिक धार्मिक स्थल है जिसकी देख रेख उचित प्रबंधन की आवश्यकता है उचित प्रबंधन के अभाव में हनुमान मंदिर अवस्थित हो गई है मंदिर पहुंचने वालों भक्तों की संख्या में गिरावट आई है जिसका प्रमुख कारण मंदिर का सही संचालन नहीं होना एवं वर्तमान महंत व समिति के सदस्य द्वारा अनियमितता बरता जाना है ज्ञापन की एक प्रतिलिपी गृह मंत्री विजय शर्मा को भी प्रेषित की गई है।

श्याम परिवार के सदस्यों ने किया अपने मुखिया अशोक बंसल का सम्मान

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

श्री श्याम जन्मोत्सव के पावन मौके पर शक्ति के श्री राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित श्याम जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान श्री श्याम परिवार शक्ति ने अपने मुखिया एवं श्याम सेवक अशोक बंसल का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह के माध्यम से सम्मान किया तथा सम्मान से अभिभूत मुखिया अशोक बंसल ने कहा कि यह सम्मान आप सभी श्याम प्रेमियों का सम्मान है, एवं बाबा श्याम की कृपा से हम सभी को उनकी सेवा करने का, आराधना करने का एक सौभाग्य मिला है, हम सभी अपनी जिम्मेदारियो को निभा रहे हैं एवं बाबा श्याम इसी तरह से हम सभी को शक्ति एवं ऊर्जा देते रहे, मेरा पूरा जीवन बाबा श्याम की सेवा में समर्पित रहे, इस अवसर पर काफी संख्या में श्री श्याम परिवार शक्ति के सदस्य एवं श्याम प्रेमी मौजूद रहे तथा कार्यक्रम के पश्चात बाबा श्याम के सजे दरबार में लोगों ने ज्योत ली तो वही प्रख्यात भजन गायको ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी जिस पर श्याम प्रेमी झूम उठे एवं देर रात्रि तक चले श्याम जन्मोत्सव के कार्यक्रम में लोगों ने बाबा श्याम का दीदार किया।

संपादकीय

कॉप-29 सम्मेलन से उम्मीदें

29वां वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन, कॉप-29, आधिकारिक तौर पर बाकू, अज़रबैजान में शुरू हो गया है। इस वर्ष का सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए लगभग 200 देशों के राजनयिकों, जलवायु विशेषज्ञों, कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं को एक साथ लाता है। हालाँकि, यह आयोजन पहले से ही चुनौतियों का सामना कर रहा है, मेजबान देश की जीवाश्म-ईंधन-केंद्रित अर्थव्यवस्था और डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने से, जो दुनिया के सबसे बड़े उत्सर्जकों में से एक की भविष्य की जलवायु प्रतिबद्धताओं को प्रभावित कर सकता है। कॉप-29 अज़रबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित किया जा रहा है, इस निर्णय ने दुनिया भर के पर्यावरणविदों की आलोचना की है, जिसमें ग्रेटा थुनबर्ग जैसे कार्यकर्ता शिखर सम्मेलन को ग्रीनवॉश सम्मेलन कहते हैं। जलवायु कार्रवाई के लिए पर्याप्त धन प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने के कारण इस वर्ष के कॉप को वित्त कॉप करार दिया गया है। निम्न और मध्यम आय वाले देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा में संक्रमण में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता की वकालत कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि चीन को छोड़कर विकासशील देशों को सार्थक प्रगति करने के लिए 2030 तक सालाना 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की आवश्यकता होगी।

वर्तमान बहस इस बात पर केंद्रित है कि इन पहलों को कौन वित्तपोषित करेगा। 2009 में, अमीर देशों ने विकासशील देशों के लिए जलवायु वित्तपोषण में सालाना 100 बिलियन डॉलर देने का वादा किया था, एक लक्ष्य जिसे वे निर्धारित समय से दो साल बाद ही हासिल कर पाए। अब, इनमें से कई प्राप्तकर्ता देश जलवायु चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए कम से कम 1 ट्रिलियन डॉलर प्रति वर्ष के नए लक्ष्य की मांग कर रहे हैं। चीन और यूएई जैसे देश, जिन्हें अभी भी विकासशील के रूप में वर्गीकृत किया गया है, लेकिन वे प्रमुख उत्सर्जक और जीवाश्म ईंधन उत्पादक हैं, जलवायु वित्त कोष में अधिक योगदान देने के लिए दबाव का सामना कर रहे हैं। कॉप-29 में एक अन्य मुख्य मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (कॉप) की समीक्षा है, प्रत्येक देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के अपने लक्ष्यों को रेखांकित करने वाली योजनाएं प्रस्तुत करता है।

2025 की शुरुआत में कॉप अपडेट के अगले दौर के साथ, यह शिखर सम्मेलन उन लक्ष्यों को ठोस बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जो 2100 तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के पेरिस समझौते के लक्ष्य के साथ संरेखित हैं। उम्मीद है कि देश अधिक महत्वाकांक्षी उत्सर्जन में कमी के लिए प्रतिबद्ध होंगे और शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की ओर अपने रास्तों के बारे में पारदर्शी होंगे। 2023 में दुबई में आयोजित कॉप 28, पहली बार कॉप समझौते ने खुले तौर पर देशों से जीवाश्म ईंधन से दूर जाने का आह्वान किया। हालांकि, प्रगति असंगत रही है। अप्रैल 2024 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का ट्रैकिंग टूल मिश्रित परिणाम दिखाता है, जिसमें कई देश अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अज़रबैजान में कॉप29 को जलवायु लक्ष्यों को जीवाश्म ईंधन हितों के साथ संतुलित करने से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने तक की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि कॉप29 को सफल होना है, तो इसका परिणाम जलवायु वित्त, नवीकरणीय ऊर्जा और देशों के बीच एकता के लिए ठोस प्रतिबद्धताओं में होना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होगा कि कॉप29 को जलवायु परिवर्तन के प्रति वैश्विक प्रतिक्रिया में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में याद किया जाए - न कि एक छूटे हुए अवसर के रूप में।

हम सबका आधार जनजातीय समाज

विष्णु देव साय

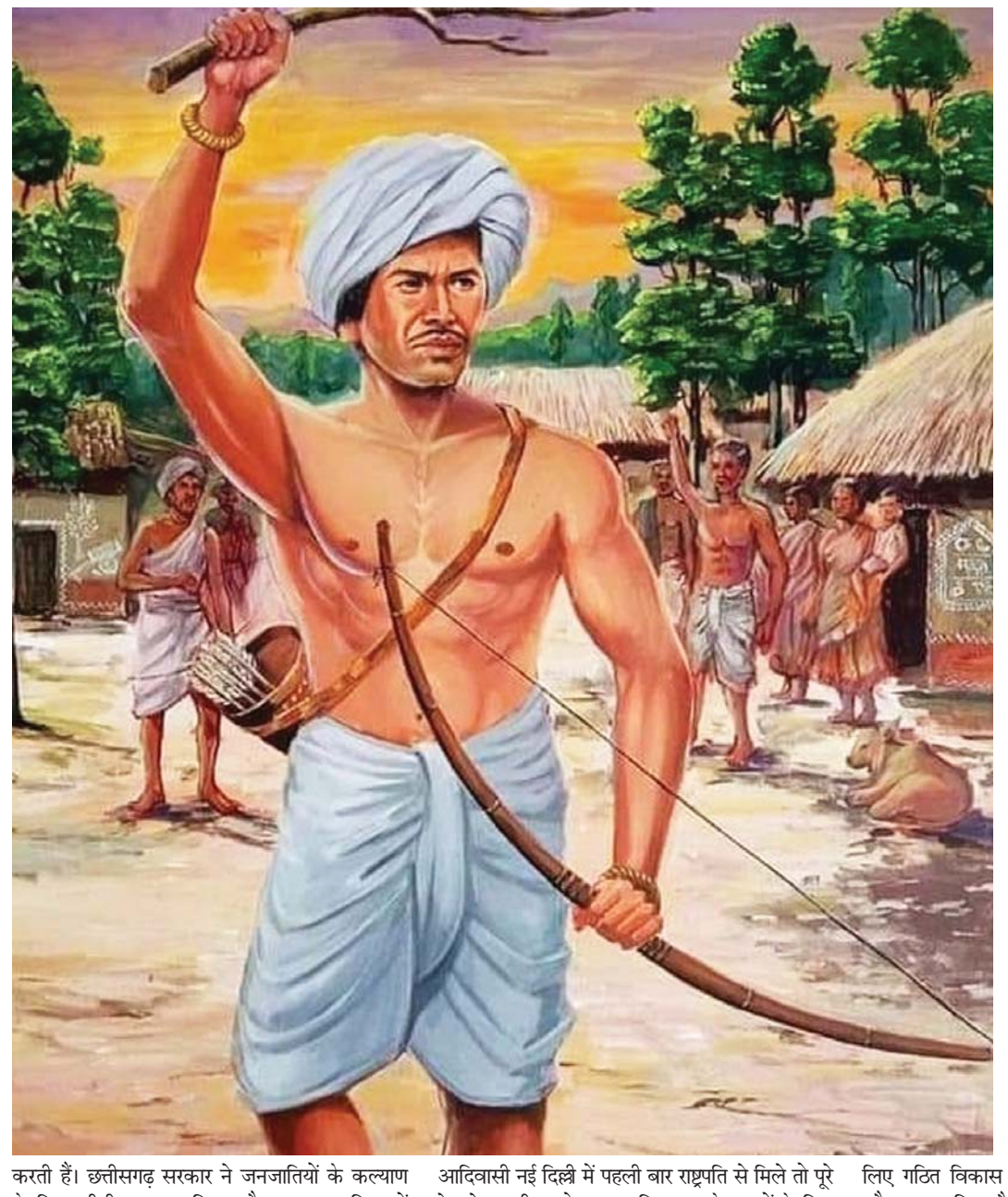

देश के क्रांतिकारी जनजातीय नायक धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा जी की 150 वीं जयंती को प्रदेश और केन्द्र सरकार ने ''जनजातीय गौरव दिवस'' के रूप में मनाने की शुरूआत की है तथा जनजातीय संस्कृति, परंपरा और अधिकारों का संरक्षण करने का संदेश दिया है। 14-15 नवंबर 2024 को आयोजित कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़, अपने जनजातीय गौरव शहीद वीर नारायण सिंह, गुण्डाधूर, शहीद डेबरीधुर, शहीद धुर्वाराव माड़िया, शहीद हिड़मा मांझी और शहीद गेंदसिंह जैसे अनेक नायकों के योगदान और बलिदान को याद कर रहा है। इन जननायकों ने आजादी के लिए ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हुए जल, जंगल, जमीन तथा जनजातीय- अस्मिता की रक्षा की। युवा पीढ़ी इनसे सदैव प्रेरणा लेती रहेगी।

भारतीय संस्कृति पांच हजार सालों से अधिक समय से प्रवाहमान है जो आरण्यक, ग्राम्य, नगरीय जीवन-शैलियों को एक सूत्र में पिरोती रही है। जनजातीय समाज का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है। उनकी समृद्ध परंपराएं रही हैं। वे गहरी आध्यात्मिक चेतना के वाहक रहे हैं। शुक्ल यजुर्वेद में कहा गया हैः नमो वन्याय च कक्ष्याय च नमः-अर्थात उन एक को नमस्कार है, जो वनों में वनों और झाड़ियों के रूप में हैं। हम सब कभी न कभी वन्य समाज का ही हिस्सा थे। हम सबका आधार जनजातीय समाज ही रहा है।

भारत के गौरवशाली इतिहास में आदिवासी समाज का अग्रणी योगदान रहा है। अंग्रेजी राज में भी अंग्रेजों को सबसे ज्यादा चुनौती वन क्षेत्रों से ही मिली। जनजातीय नेता तिलका मांझी जी ने अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष करते हुए सन् 1785 में बलिदान दिया। तिलका मांझी जी ने राजमहल, झारखंड की पहाड़ियों पर ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया था।

स्वतंत्रता के 78 सालों में देश ने जो विकास किया है, उसमें जनजातीय समुदायों के योगदान का सबसे पहले स्मरण करने और उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इसकी सर्वश्रेष्ठ पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मु को देश का राष्ट्रपति बनाकर की है। मुर्मु हाल ही में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के प्रवास पर थी। इस दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। स्पष्ट है कि विकसित छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है। सबको विदित ही है कि छत्तीसगढ़ में गोंड, अबुझमाड़िया, मुरिया, हलबा, धुर्वा, उरांव, कोल, कोरवा, कमार, बैगा सहित अनेक जनजातियां निवास करती हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातियों के कल्याण के लिए गरीबी उन्मूलन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, भूमि सुधार, संस्कृति के संरक्षण, महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कई अभिनव कल्याणकारी योजनाएं प्रारंभ की हैं। इनका लाभ उठाकर जनजातीय समुदाय उत्तरोउत्तर विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत जनजातीय समुदायों को कई सुविधाएं दी जा रही हैं, इनमें पक्के घर, पक्की सड़क, नल से पानी, आंगनबाड़ी केंद्र, मोबाइल मेडिकल यूनिट, वनधन केंद्र, इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं शामिल हैं। जनजातीय समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

बस्तर के जनजातीय समुदाय सालों से माओवादी हिंसा का दर्द झेल रहे हैं। गुजरे माह जब नक्सल पीड़ित आदिवासी नई दिल्ली में पहली बार राष्ट्रपति से मिले तो पूरे देश ने इस पीड़ा को महसूस किया। इनके बच्चों के लिए हमारी सरकार द्वारा 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

सुखद दृश्य यह भी है कि जो युवा नक्सली बंदूक थाम रहे थे, अब वे डॉक्टर, इंजीनियर, आईआईटीयन बनकर देश की सेवा में लगे हैं। हमारी सरकार ने भी एक नया नारा देते हुए नक्सलियों को चेता दिया है कि गोली का जवाब गोलीः बोली का जवाब बोली। जनजातीय क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद को रोकने के लिए सरकार ने सुरक्षा और विकास को मूल मंत्र बनाया तथा नियद नेल्ला नार जैसी योजना शुरू की है। एक साल के अंदर इसके उत्साहजनक परिणाम मिले हैं।

हमारी सरकार आदिवासी मातृशक्ति के कल्याण को तत्पर है। महतारी वंदन योजना के तहत जनजातीय समुदाय की महिलाओं को एक हजार रूपये प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जनजातियों को वन अधिकार पत्र, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुकर पालन और गाय पालन के लिए शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। एक नयी पहल के तहत जनजातीय बहुल इलाकों में जिमीकंद, हल्दी, तिखुर जैसी फसलों के उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जनजातीय समुदायों के लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। आदिवासियों को राज्य और केन्द्र शासन द्वारा संचालित लगभग 52 योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। हमारे जनजातीय क्षेत्रों के युवा अब अखिल भारतीय परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अन्य क्षेत्र के युवाओं के लिये भी प्रेरणा का स्त्रोत बन रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण जिन उद्देश्यों के लिए किया था, उसकी बड़ी सार्थकता देखिए कि आज यहां के जनजातीय समाज को मुख्यमंत्री पद का दायित्व मिला है। आज बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय विकास की मुख्यधारा से जुड़कर और योजनाओं का लाभ उठाकर अपना जीवन बेहतर बना रहे हैं। हमारी सरकार ने विजन 2047 का लक्ष्य सामने रखते हुए राज्य के सभी जनजातीय समुदायों का निरंतर कल्याण करने का संकल्प लिया है। इसी तारतम्य में हमने जनजातीय समुदायों के विकास के लिए गठित विकास प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व को और सशक्त किया है। उन्हें और अधिक उत्तरदायी बनाया है। हाल ही में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बजट को बढ़ाकर 75 करोड़ कर दिया है, साथ ही मयाली नेचर कैम्प को नया पर्यटन केन्द्र बनाने के लिए 10 करोड़ रूपये स्वीकृत किए हैं। 18 नवम्बर को बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक होनी है, मुझे ऐसा विश्वास है कि इस बैठक में भी बस्तर के चहुंमुखी विकास के लिए प्राधिकरण द्वारा प्रभावी निर्णय लिया जाएगा। आज छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। यह सरकार जनजातीय समाज को उसके इतिहास, उसकी विरासत और उसकी संस्कृति के नजरिए से देखने वाली सरकार है। इसी के आधार पर हमने जनजातीय क्षेत्रों के विकास की रणनीति तय की है।

जय जोहार...

लेखक - छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री हैं।

लाल आतंकी साया मिटाकर ही जनजातीय गौरव लौटा सकेंगे

अनिल पुरोहित
वरिष्ठ पत्रकार, रायपुर

देशभर में जनजातीय गौरव दिवस का उल्लासपूर्ण वातावरण बना हुआ है। जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत से लेकर उनकी अनुसरणीय समाज व्यवस्था, आध्यात्मिकता और विशिष्ट ज्ञान परम्परा तक की चर्चा की जा रही है। बौद्धिक जगत मननशील है कि विश्व की समस्याओं के निराकरण के लिए हम जनजातीय बन्दुओं से क्या सीख सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर, माओवाद के लाल दानव इन गौरवशाली परम्पराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इसलिए जनजातीय गौरव दिवस हमारे उस दायित्व का स्मरण कराने वाला दिन भी है कि इस कम्युनिस्ट आतंक का रामबाण इलाज ढूँढ़कर भय-आतंक और हिंसा से जनजातीय समाज को मुक्ति दिलाना है। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सलियों (कम्युनिस्ट आतंकवादियों) द्वारा इसी सोमवार की रात बीजापुर जिले के जांगला थाना क्षेत्र में ग्राम पोटेनार में अपनी कथित जनअदालत लगाकर पुलिस मुखबिरी के आरोप में ग्राम माटवाड़ा के ग्रामीण माड़वी दुलारू की हत्या करने के बाद 15 नवम्बर को मनाए जाने वाले जनजाति गौरव दिवस के परिप्रेक्ष्य में जनजातीय समाज पर माओवादियों के प्रभाव पर विमर्श की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। पिछले अक्टूबर माह में भी नक्सली आतंकवादियों ने 8, 19 और 29 अक्टूबर को बस्तर के विभिन्न इलाकों में कन्हैया ताती, तिरुपति भंडारी और दिनेश पुजारी की हत्या करके दहशत फैलाने का काम किया था। और ऐसी ही कहानियाँ पिछले दो दशकों से लगातार हमें देश के जनजाति-बहुल क्षेत्रों से लगातार सुनने में आ रही हैं। विश्व की एक प्रतिष्ठित संस्था साउथ एशिया टेररिस्ट पोर्टल की वेबसाइट पर प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार 2019 से लेकर अब तक निरपराध ग्रामीणों को गोली मारने की ऐसी 49 घटनाएँ हो चुकी हैं, जिनमें कुल 69 लोगों की हत्या की गई है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 31 दिसम्बर 2019 को प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार वर्ष 1999 से 2019 तक 20वर्षों में देशभर में कुल 8,126 निर्दोष नागरिकों की हत्या इन माओवादियों ने की है। इसके अलावा कभी बारुदी सुरंग, तो कभी अन्धाधुन्ध फायरिंग, आदि से हताहत होकर जीवनभर के लिए पंगु हो जाने वाले लोगों की गणना तो अभी बाकी है। ऐसे ही, पिछले ढाई दशकों में अनेक विद्यालय, अस्पताल, पुल- पुलिया आदि इन माओवादियों ने ध्वस्त किये हैं। विकासपरक कार्यों में निरन्तर बाधा डालकर जनजातीय क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी ढाँचे जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित रखा जा रहा है। उन्हें भारत सरकार के खिलाफ बन्दूकें उठाने पर मजबूर किया जा रहा है। अपने सगे-सम्बन्धियों की हत्या के लिए विवश किया जा रहा है। शान्ति, उत्साह और मस्ती से भरा निश्चिन्त जीवन जीने वाले लोग दिन-रात अपनी और अपने परिवार की चिन्ता में लगे रहकर 'दादालोगों' की गुलामी को विवश हैं। छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखण्ड, बंगाल, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों में तो आए दिन माओवादी घटनाओं से जुड़ी ऐसी खबरें पढ़ने में आती रहती हैं। भले ही माओवादियों के शहरी तन्त्र के कारण इन घटनाओं का बाहर उल्लेख न के बराबर रहता है। अब कुछ सवाल ये खड़े होते हैं कि वे चाहते क्या हैं? जब नक्सली खुद को सरकार की दमनकारी नीतियों का विरोधी बताकर यह दावा करते हैं कि वे सरकारी दमन से जनजातीय समाज के जल-जंगल-जमीन की रक्षा कर रहे हैं, तो फिर वे सीधे-सादे निरपराध जनजातीय समाज के ग्रामीणों की हत्या क्यों कर रहे हैं? हम सब जिन्हें प्रायः नक्सली नाम से जानते हैं, वे खुद के संगठन को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) क्यों कहते हैं? उनके पास आधुनिक हथियार कहाँ से आए? इन लोगों ने अत्याधुनिक खुफिया तंत्र कैसे विकसित कर लिए? चीन के कम्युनिस्ट तानाशाह माओ से भला इनका क्या लेना-देना? इन सवालों का जवाब हम ढूँढ़ें तो पता चलेगा कि दरअसल ये नक्सलवाद, नक्सली, भटके हुए लोग, जैसा कुछ है ही नहीं। यह एक विशुद्ध आतंकवाद है और नक्सली वास्तव में आतंकवादी हैं, जो पूरी दुनिया को कम्युनिस्ट बनाने की सनक के साथ काम कर रहे हैं और पूरी दुनिया में अबतक 10 करोड़ से भी ज्यादा लोगों की जान ले चुके हैं। माओ-प्रेरित ये आतंकवादी जनजातीय समाज की आड़ लेकर आतंक के रास्ते भारत की राजनीतिक सत्ता पर कब्जा जमाने के लिए लाल-युद्ध चला रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में पुलिस और सुरक्षाबलों के द्वारा विभिन्न आपरेशन्स में जब्त अनेक माओवादी दस्तावेज इस बात के प्रमाण हैं कि यह चीन के कम्युनिस्ट तानाशाह माओ त्से तुंग के सशस्त्र कम्युनिस्ट क्रान्ति के विचारों पर आधारित एक सुनियोजित युद्ध है और उसका एकमात्र लक्ष्य संविधान द्वारा स्थापित भारत की सत्ता को उखाड़कर उसकी जगह चीन की ही तरह कम्युनिस्ट तानाशाही को स्थापित करना है। ऐसे में यह प्रश्न भी उठता है कि उन्होंने वन्य क्षेत्रों को ही क्यों चुना? तो इसका उत्तर है कि कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत जनजातीय क्षेत्रों को ही इसलिए चुना क्योंकि इन माओवादियों ने भारत के विरुद्ध जब सेना बनानी शुरू की तो वह भलीभाँति यह जानते थे कि भारतीय सेना के आगे तो वह टिक नहीं पाएंगे, इसलिए उन्होंने जंगलों को अपना अड्डा बनाया। घने वनों और उनमें रहने वाले जनजातीय समाज में उन्हें इस युद्ध के लिए अपने सैन्य अड्डे स्थापित करने के साधन दिखाई पड़े, इसलिए ही उन्होंने इन दुर्गम स्थानों की शरण ली और फिर, वहाँ रह रहे जनजातीय समाज की-जीवन-पद्धति, उनकी संस्कृति, उनकी आस्था व आध्यात्मिक चेतना को अपनी दखलंदाजी से खत्म करने का कुचक्र चलाया। जाहिर है, ये जंगल माओवादियों के लिए बेहद सुरक्षित अड्डे बने भी और निश्छल, सहज-सरल जनजातीय समाज को उन्होंने आमना-सामना होने पर पुलिस व सेना के सामने अपने लिए एक ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया। केवल इतना ही नहीं, उन्होंने और शहरी (अर्बन) नक्सलियों ने मिलकर दसियों झूठ गढ़कर न केवल जनजातीय समाज को दिग्भ्रमित किया, अपितु शेष समाज में भी जनजातीय समाज को लेकर तरह-तरह की भ्रांतियाँ फैलाकर ऐसा अलगाव पैदा किया जो इस्लाम और ब्रिटिशों के दौर में भी नहीं हो सका था। इन नक्सलियों ने झूठ का ऐसा मायाजाल रचा कि सबसे पहले तो जनजातीय समाज के लोगों को उनकी संस्कृति से दूर किया, उनके समक्ष नए-नए आदर्श रखे, उनमें अपनी पहचान को लेकर भ्रम पैदा किया गया। कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने ऐसे कई झूठे विमर्श स्थापित किए हैं। सबसे बड़ा झूठ तो यही है कि माओवादी आदिवासी किसानों और वंचितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। जबकि, सच यह है कि माओवादी ही जनजातीय लोगों का शोषण कर रहे हैं। उनके आतंकी लड़ाके गाँववालों से अपनी रसद वसूलते हैं। उन्हें आतंकियों को छिपाए रखने को विवश किया जाता है, और जो कोई मुखालफत करता है, वे उसकी क्रूरता से हत्या कर देते हैं। इसी तरह नक्सलियों को महिलाओं के सशक्तीकरण और उन्हें समानता का अधिकार दिलाने के लिए लड़ने वाला बताया जा रहा है, जबकि जनजातीय महिलाओं का सर्वाधिक यौन शोषण माओवादी ही करते हैं। वे अपने संगठन में, अपनी कथित सेना में जिम्मेदारियाँ निभा रही महिलाओं को भी नहीं छोड़ते। अनेक आत्मसमर्पित माओवादियों ने इन अत्याचारों पर से पर्दा उठाया है। आदिवासियों के वनाधिकार के लिए लड़ाई के दावे का सच यह है कि जब केन्द्र सरकार वनाधिकार देने हेतु ड्रोन सर्वे के माध्यम से जमीन की डिजिटल मैपिंग कर रही है, तो ये माओवादी ही उसके विरोध में मिथ्यालाप कर रहे हैं क्योंकि इस मैपिंग से भारत के विरुद्ध जंग में बस्तर को अपना मुख्य अड्डा बनाने के कम्युनिस्ट आतंकवादियों के मंसूबों पर पानी फिर जाएगा। कुल मिलाकर, हमें यह समझ लेना चाहिए कि वे कोई लोगों के लिए लड़ने के लिए नहीं आए हैं, वे अपने भारत-विरोधी मंसूबों को पूरा करने के लिए दण्डकारण्य क्षेत्र में आए हैं। यह सच इन कम्युनिस्ट आतंकवादियों के दस्तावेज़ स्वयं ही उजागर कर देते हैं। सीपीआई (एम) का डॉक्यूमेंट 'स्ट्रैटेजी एण्ड टैक्टिक्स ऑफ इंडियन रिवॉल्यूशन' सबकुछ स्पष्ट कर देता है। यह जनजातीय समाज और किसानों के गुस्से से उपजा कोई स्वस्फूर्त आन्दोलन नहीं है। इन कम्युनिस्ट आतंकवादियों का तो संविधान और किसी तरह की संवैधानिक व्यवस्था में विश्वास ही नहीं है। इसे दुर्भाग्य कहें या फिर कम्युनिस्टों के दुष्प्रचार का प्रभाव कि आज सामान्य जनमानस में इस झूठ ने गहरी पैठ बना रखी है।

जनजातीय क्षेत्रों में पैदा की जा रही चुनौतियाँ : कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने अब जनजातीय समाज पर अपनी पकड़ के कमजोर होने और सरकार द्वारा माओवाद-विरोधी अभियानों में आई तेजी से बौखलाकर कपट-युद्ध शुरू किया है। फलतः हमारे और हमारे जनजातीय बन्धुओं के समक्ष नई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। माओवादी अब यह झूठ भी फैला रहे हैं कि आदिवासी हिन्दू नहीं है। हिन्दू परम्परा का पालन करने पर लोगों को दण्ड दिया जा रहा है। इससे भारतीय समाज में भेद की एक नई रेखा के उपजने की आशंका है। इसके अलावा एक नया झूठ और स्थापित किया जा रहा है कि आदिवासी ही भारत के मूलनिवासी हैं, जो बाहरी लोगों द्वारा पीड़ित हैं। इससे भी समाज के विघटन का संकट हो सकता है। पत्थलगड़ी, पेसा, 5वीं व 6ठी अनुसूची, समान नागरिक संहिता और वनाधिकार कानून पर भ्रम फैलाया जा रहा है। माओवादियों व चर्च का गठजोड़ भी जनजातीय क्षेत्रों में एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। अपने प्रभाव के क्षेत्रों में माओवादी राजनैतिक हत्याएँ तो बढ़ा ही रहे हैं, साथ-साथ इन क्षेत्रों में वे अपना राजनैतिक नियंत्रण भी बढ़ा रहे हैं। इनके इकोसिस्टम द्वारा इन कम्युनिस्ट आतंकियों को राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पीड़ित-क्रान्तिकारी बताने का प्रयास भी लगातार किया जा रहा है।

जनजातीय समाज पर प्रभाव : चीन की तरह ही आतंकी तानाशाही की स्थापना की बदनीयती के साथ इन आतंकियों ने बस्तर की स्थिति भी ऐसी कर दी है; कि अब वहाँ न व्यक्ति और न ही अभिव्यक्ति का कोई महत्व है। मुँह खोलने की सजा मौत है। निरीह जनजातीय समाज के मन में उनकी ही चुनी सरकार के प्रति भय और आतंक के भाव इस सीमा तक भर दिए गए हैं कि वे लोग आज भी खाकी वर्दी देखकर छिप जाते हैं। महानगरों में एयर-कण्डीशण्ड कमरों में बैठे कुछ अप्रकट आतंकियों (या आम बोल-चाल के अर्बन नक्सलियों) ने लगातार इसे वंचितों का सरकार के प्रति विद्रोह बताने का दुष्चक्र चलाया है। और दुर्भाग्यवश, हमारे अकादमिक संस्थान भी नक्सल आन्दोलन कहकर इसे वंचित भारतीयों की व्यवस्था के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया के रूप में ही पढ़ा रहे हैं। जबकि बस्तर में अभी चल रही माओवादी हिंसा कोई वहाँ के जनजातीय लोगों की चलाई हुई नहीं है, बल्कि उन पर थोपी हुई है। सहअस्तित्व और सामूहिकता के उच्चादर्शों के साथ जीने वाले लोगों के मन में हिंसा और क्रूरता के बीज बोए जा रहे हैं। माओवादियों ने जनजातीय समाज के जीवन को इस सीमा तक प्रभावित किया है कि वे अब आत्मविस्मृत-से होते जा रहे हैं। जनजाति संस्कृति नष्ट की जा रही है, परम्पराएँ भ्रष्ट की जा रही हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से उनका मूल स्वभाव बदल कर उनमें पीड़ित होने का भाव और ज़िहादी मानसिकता भरी जा रही है। पहले गाँव के विषय गायता और पुजारी सुलझाते थे, किंतु अब इसके लिए संघम सदस्य बैठता है। आज हमारे जनजाति बन्धु अपने पुरखों की जगह माओ, लेनिन, मार्क्स आदि को अपना आदर्श मानने को विवश हैं। रमणीय पर्यटन योग्य क्षेत्र की पहचान अब लाल आतंक बन गया है। हिंसा और अत्याचार के वातावरण में वहाँ बचपन मर रहा है। कुल मिलाकर कम्युनिस्ट आतंकवादियों ने जनजातीय समाज के जीवन को अपने उन्माद के नर्क में धकेल रखा है। ये आतंकवादी जनजातीय समाज और भारत के समक्ष नित-नई चुनौतियाँ खड़ी करते जा रहे हैं।

नक्सलमुक्त भारत और छत्तीसगढ़ के संकल्प पर हो रहा काम : लेकिन, ऐसा भी नहीं है कि केंद्र और छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में गृह मंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक विजन के साथ नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प के लिए सख्त फैसले लिए हैं। एक तरफ सुरक्षा बल और पुलिस के जवान माओवाद पर निर्णायक प्रहार कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश सरकार की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाएँ नक्सल प्रभावित गाँवों में संचालित की जा रही हैं। इनमें नियद नेल्लानार, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन), आदिवासी ग्रामीण आवास योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण की मानक राशि में वृद्धि आदि उल्लेखनीय है। 16 फरवरी 2024 को शुरू की गई नियद नेल्लानार योजना के जरिए सुदूर नक्सल प्रभावित गाँवों में दो दर्जन से अधिक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वामपंथी उग्रवाद को समूल नष्ट करने को लेकर न सिर्फ गंभीर हैं बल्कि इसके लिए मोदी सरकार हर संसाधन मुहैया करा रही है। केंद्र और छत्तीसगढ़ की सरकार नक्सलवाद के खिलाफ समन्वित रणनीति बनाकर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में ही बड़ा एन्टी नक्सल ऑपरेशन हुआ है, जिसमें सुरक्षाबलों ने 35 माओवादियों को ढेर किया है। पिछले नौ महीनों में 194 से अधिक माओवादी मारे गए हैं, 800 से ज्यादा नक्सलियो का गिरफ्तारियां हुई हैं और 738 नक्सालयों ने आत्मसमर्पण किया है। सुरक्षाबलों ने 10 माओवादी ऐसे मारे हैं जिनका छत्तीसगढ़ के क्षेत्र में लम्बे समय से खौफ बना हुआ था। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में सबसे बड़ी सफलता है।

बस्तर शांति समिति की क्रांतिकारी पहल : एक तरफ केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकारों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ रखी है, वहीं दूसरी तरफ बस्तर शांति समिति ने क्रांतिकारी पहल करते हुए बस्तर के 50 नक्सल पीड़ित जनजातीय लोगों का जत्था लेकर नई दिल्ली में जाकर वामपंथी आतंकवाद के खिलाफ शंखनाद किया। नई दिल्ली जाकर नक्सल पीड़ितों ने मानवाधिकारवादियों से गुहार लगाई कि नक्सलियों के अधिकारों पर शोर मचाने वालों को जनजातियों के शांतिपूर्ण और आतंकमुक्त जीवन के अधिकारों की रक्षा की भी चिंता करनी चाहिए। इस जत्थे ने अपने इस दौरे में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करके अपनी आपबीती सुनाई। बस्तर शांति समिति के बैनर तले नक्सल पीड़ित आदिवासियों ने जंतर-मंतर पर धरना दिया और वामपंथी उग्रवाद की अब तक उपजाऊ जमीन रहे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जाकर भी नक्सली आतंक के खिलाफ शंख फूँका। बस्तर शांति समिति की यह पहल देशभर में चर्चा का बनी और मानवाधिकार के नाम पर नक्सलियों की ढाल बनते रहने वाले मानवाधिकारवादियों के पाखंड से देश रू-ब-रू हुआ।

सुपरिणाम सामने आने लगे : इन तमाम प्रयासों के सुपरिणाम भी सामने आने लगे हैं। अभी हाल ही बस्तर के ही नारायणपुर के नक्सल प्रभावित गारपा ग्राम के वे लगभग 40 परिवार, जो नक्सलियों के भय से नारायणपुर के ही गुडरीपारा में रह रहे थे, वापस अपने गाँव रहने के लिए लौट आए हैं, जिन्हें नक्सलियों ने करीब दो दशक पहले गाँव से बेदखल करते हुए भगा दिया था। यदि यह क्रम चलता रहा तो यकीनन जनजातीय समाज का खोया स्वाभिमान लौटेगा और वह अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ विकास की मुख्यधारा से भी जुड़ेगा। इससे जनजातीय समाज के प्रति व्याप्त विकृत धारणाओं का शमन भी होगा और सम्पूर्ण हिन्दू समाज एकजुट होकर आतंक, भय, विवशता के चंगुल से मुक्त जनजातीय समाज के साथ विकसित भारत व विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार भी करेगा। यही जनजाति गौरव दिवस की सार्थकता होगी।

कबीरधाम कलेक्टर ने किसान को तिलक लगाकर और माला पहनाकर की धान खरीदी की शुरुआत

कबीरधाम जिले में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ, पहले दिन 1189 किसानों को जारी हुए टोकन

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिले में खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में धान खरीदी का आगाज हो चुका है। कबीरधाम जिले के 94 धान उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की बोहनी हुई। पहले दिन ही 1189 किसानों को टोकन जारी किए गए, जिनसे 56,520 क्विंटल धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर गोपाल वर्मा आज धान खरीदी के पहले दिन सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम सलिहा-बचेड़ी में धान खरीदी केंद्र पहुंचकर किसानों को माला और तिलक लगाकर स्वागत किया। कलेक्टर ने स्वयं धान तौल का धान खरीद का विधिवत शुभारंभ किया। कलेक्टर ने सलिहा धान उपार्जन केंद्र की पूरी जानकारी ली तथा सुरक्षा व्यवस्था पुखता रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने धान उपार्जन केन्द्र में धान विक्रय करने आएं किसानों से चर्चा की और उनके अनुभवों को भी जाना। जिले में धान खरीदी की शुरुआत से किसानों में उत्साह का माहौल है। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर जिले के 108 धान खरीदी केन्द्रों में सभी आवश्यक सुविधाएं और संसाधन सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। राज्य शासन द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है। जिले के 90 समितियों के माध्यम से 108 धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में इस वर्ष कबीरधाम जिले में 07 हजार 280 नए किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। इस प्रकार कबीरधाम जिले के 01 लाख 24 हजार 787 किसानों ने 01 लाख 24 हजार 411 हेक्टेयर रकबा में अपना धान का समर्थन मूल्य में विक्रय करने के लिए पंजीयन कराया है। मोदी की गारंटी में प्रदेश सरकार द्वारा 3100 प्रति क्विंटल की मान से एक एकड़ में 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। जिले के सभी 108 धान खरीदी केन्द्रों में व्यवस्था सुनिश्चित करने और धान खरीदी सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने धान खरीदी की तैयारियों के लिए 35 बिन्दुओं पर दिशा-निर्देश जारी किए है। जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध धान के परिवहन को रोकने के लिए चेकपोस्ट बनाएं गए है। जहां आने जाने वाले सभी वाहनों पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है।

अन्नदाता छत्तीसगढ़ की आत्मा हैं, उनकी मेहनत को पूरा दाम और सम्मान मिलना चाहिए : ललित चंद्राकर

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने किया धान खरीदी का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

सेवा सहकारी समिति उतई के धान खरीदी केंद्र पुरई व खोपली में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने धान खरीदी का विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर किसानों को गमछा प्रदान कर उनका सम्मान किया। धान तौलने की प्रक्रिया शुरू कर किसानों के योगदान को सराहा और उनकी मेहनत को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की शुरुआत हो रही है। जिसके तहत हमारी सरकार ने आप सभी की सुविधा के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदाता हमारे छत्तीसगढ़ की आत्मा हैं। उनकी मेहनत को पूरा दाम और सम्मान मिले, इसके लिए हमारी सरकार तत्पर है। हमने किसानों से उनके पूरी उपज को खरीदने, खरीदी में पूरी पारदर्शिता बरतने और तय समय सीमा में भुगतान करने पर विशेष ध्यान दिया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही राज्य में धान खरीदी की मजबूत व्यवस्था का निर्माण किया और आज सबसे ज्यादा समर्थन मूल्य में धान खरीदने का काम भारतीय जनता पार्टी के सरकार में चल रहा है। 21 क्विंटल धान 3100 रूपये में खरीदी कर किसान भाइयों के जीवन में खुशियां लाने का काम कर रहे है। आगे चंद्राकर ने कहा कि हमारी सरकार धान का सबसे ज्यादा मूल्य दे रहे हैं। जिसका लाभ किसान परिवार को मिल रहा है। और खेती के प्रति लोगो का झुकाव आया है। प्रथम दिवस में समर्थन मूल्य पर 22 किसानों ने धान बेचा। जिसमें प्रथम टोकन कृष्ण तिवारी पिता सच्चिदानंद तिवारी, द्वितीय टोकन मोती लाल पिता मंगल दास, कंगलु राम, वेदप्रकाश चंद्राकर, सेऊक राम साहू, श्याम कुंवर, मीराबाई, नीलमणि चंद्राकर, देवेन्द्र कुमार चंद्राकर, भगवती प्रसाद, पुखेंद्र कुमार साहू, राधेश्याम साहू, ललित कुमार, योगेश कुमार, तेजराम साहू, रमाकांत भारती, प्रभादेवी, प्रिंस शीतल कुमार, भीखम प्रसाद, उगेंद्रकुमार, तुलाराम, गंगाप्रसाद ने प्रथम दिवस पर समर्थन मुल्य पर धान बेचा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री रोहित साहू, उतई मंडल अध्यक्ष फत्ते लाल वर्मा, महामंत्री सोनू राजपूत, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता चंदू देवांगन, रूपेश पारख, सतीश चंद्राकर, लक्ष्मीनारायण साहू, घनश्याम चंद्राकर, विमल कामडे, शीतल, दानेश्वरी देशमुख, रेखा वर्मा, पुष्पा रामटेक, हरीश यादव, खूबीलाल साहू, अनिल साहू, चिंटू सिन्हा, वैभव देवांगन, देवेंद्र सिंह राजपूत, समिति प्रबंधक गिरधर सोनी , प्रहलाद साहू, तिलकराम साहू, खोवालाल, गोविंद प्रसाद साहू, जयंत साहू, पुरण लाल साहू, बीसे लाल साहू, आलोक कुमार साहू, भीखम शर्मा, रामसिंह साहू, अरुण सोनी, मायाराम सिंह, जेठालाल साहू, चेतनलाल साहू, डीकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

उमरपोटी में बाल दिवस पर न्यौता भोज कराया गया

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

शासकीय नवीन प्राथमिक शाला उमरपोटी में बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर न्योता भोज भी कराया गया। जिसमें खीर, पुड़ी, मिक्स वेज की सब्जी परोसा गया। शाला में रंगोली सजाओ,कविता ,गीत ,एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। न्योता भोजन पालक रिंकू पाठक के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य कीर्ति प्रधान, विधायक प्रतिनिधि रेवती ठाकुर, सरपंच टिकेंद्र ठाकुर, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गौकरण माण्डले, उपाध्यक्ष बिंदु खुटेल, पूर्व पार्षद मुकुंद धौंसे, प्रधान पाठक एवं संकुल समन्वयक विजय शंकर डहरिया ,चंद्रकला चौधरी ,चैन सिंह साहू,स्वयंसेवी शिक्षिका रेखा साहू , पालकगण जितेंद्र देशलहरा तथा सभी रसोइयों ने अपनी भागीदारी निभाई।

आकस्मिक रेल दुर्घटना रोकने बीएमवाई में किया गया मॉकड्रिल

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

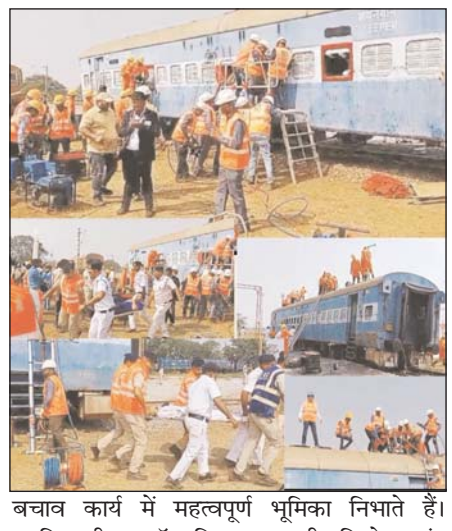

रेलवे प्रशासन द्वारा अपने फ्रंट लाइन स्टाफ रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं स्थानीय नागरिकों को ट्रेनों में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं से अवगत कराते हुए उस आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले बचाव कार्य से जुड़े तरीकों को अभ्यास के माध्यम से प्रदर्शित किया। जी आर पी, आर पी एफ, ट्रैफिक पुलिस, सेना के जवानों सहित राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल कटक (उड़ीसा) द्वारा दुर्घटना के समय किए जाने वाले बचाव कार्य के तरीकों को अपनाकर कुशलता पूर्वक राहत कार्य करने की कला का प्रदर्शन करते हुए मॉक ड्रिल सम्पन्न किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल, कटक राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल द्वारा भिलाई डिपार्चर यार्ड बीएमवाई देवभोग दूध कंपनी के निकट यह अभ्यास प्रदर्शन किया गया। आपदा के समय फ्रंट लाइन स्टाफ, रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं नागरिक ही बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए भी यह मॉक ड्रिल सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है ।

छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ की हुई आमसभा

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ की आमसभा 13 नवबंर को रायपुर में आयोजित की गई। इस दौरान संघ का चुनाव भी कराया गया। सभा में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों के एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष, सचिव शामिल हुए। दुर्ग जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष व विधायक रिकेश सेन, बालोद जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष सौरभ लुनिया सहित 30 जिलों के एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष पहुँचे। सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ राज्य एथलेटिक्स संघ जीएस बामरा का सम्मान किया गया। बालोद जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष सौरभ लुनिया को सर्वसम्मति से छत्तीसगढ़ राज्य एथलेटिक्स संघ का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। ज्ञात हो की बालोद जिला एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष सौरभ लुनिया के अध्यक्ष बनने के बाद से जिले में खेल के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त कर रहा है। खिलाड़ियों को उनकी प्रतिभा दिखाने का पूरा अवसर व सुविधा भी संघ द्वारा प्रदान करने का पुरजोर प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला खेल विभाग,कलेक्टर द्वारा भरपूर सहयोग खेल के विकास के लिए किया गया है। सौरभ लुनिया के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने से बालोद जिले के खेल का विकास के नए आयाम तक पाने की उम्मीद खिलाड़ियों में जगी है। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य एथलेटिक्स संघ उपाध्यक्ष बनने पर सौरभ लुनिया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य एथलेटिक्स संघ सचिव अमरनाथ सिंह, कोषाध्यक्ष जगपाल धालीवाल, छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के प्रवक्ता हेमंत परिहार उपस्थित थे।

विधायक साहू ने किया धान खरीदी का शुभारंभ जताया आभार विष्णु देव साय सरकार का आभार

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने धान ख़रीदी की शुरुआत कर दी है, जिसके तहत सभी सोसायटीयों में अधिकृत रूप से धान की ख़रीदी प्रारंभ हो चुकी है, नगर के कृषि उपज मंडी में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने धान ख़रीदी का शुभारंभ किया, जहाँ किसानों से 3100 रू प्रति क्विंटल धान ख़रीदी करने प्रदेश सरकार का आभार जताया, उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा देश की नरेंद्र मोदी सरकार और प्रदेश की विष्णु देव सरकार किसानों के प्रति समर्पित है और उनके उत्थान के लिए हर संभव कार्य कर रही है, किसानों के चहरे पर 3100 रू में धान का विक्रय करने की जो ख़ुशी है वो देखते बन रही है, किसान सम्मान निधि से मोदी जी देश के किसानों का ख्याल रखते हैं तो वहीं अब धान का एकमुश्त पैसा पाकर किसानों को भी किसी अभाव में रहने की ज़रूरत नहीं है, साहू ने कहा हम देश के प्रधानमंत्री और हमारे मुख्यमंत्री का आभार जताते हैं कि उन्होंने किसानों के उन्नति के लिए जो कार्य किए हैं वो उनके विकास में मील का पत्थर साबित होंगे और हमारे अन्नदाता को समृद्ध बनाएँ। उक्त अवसर पर विकाश तम्बोली, पार्षद प्रवीण नीलू राजपूत, धर्मेंद्र साहू, किसान साथी, खाद्य विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

धान उपार्जन केंद्र समिति हसदा में हुआ धान खरीदी प्रारंभ

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

शासन की महत्वपूर्ण योजना धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। उक्त अवसर पर छेत्र के जिला पंचायत सभापति प्रतिनिधि के रूप से पोषण वर्मा जनपद सदस्य चंद्रिका प्रकाश वर्मा सरपंच हसदा तेजस्वी पवन डहरिया सरपंच नेवनारा कमल साहू सरपंच सांकरा भागीरथी के उपस्थिति में भगवान बलभद्र विश्वकर्मा भगवान के स्वरूप में तराजू बाट का पूजन अर्चन करके प्रारंभ किया गया तत्पश्चात समिति प्रबंधक देवलाल सिन्हा द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं किसानों का तिलक लगाकर स्वागत वंदन किया गया विदित हो कि समिति हसदा में कुल पंजीकृत 1928 किसानों का 242739 बोरा धान खरीदी नीयत अवधि में किया जाना है इसके लिए किसानों ने आन लाइन एवं समिति के माध्यम आज प्रथम दिवस में 38 किसानों ने 5500 बोरा का टोकन प्राप्त कर धान क्रय हेतु उपार्जन केंद्र पहुंचा जनप्रतिनिधि के रूप में पोषण वर्मा ने सभी किसानों को हार्दिक बधाई प्रेषित किया इस अवसर पर भाजपा नेता संध्या परगनिहा ग्राम सांकरा उपसरपंच एन प्रकाश साहू संतोष धनकर रामखिलावन देवांगन द्रोपदी पुरुषोत्तम साहू सरपंच देवादा राजेश भीखम साहू संजय निर्मल कार अनूप साहू प्रेमशंकर वर्मा चंद्रकुमार वर्मा नागेश साहू डीकेश साहू ललित वर्मा राजेंद्र वर्मा विनय पाल सेवाराम लखन नारायण रेणुका वर्मा आनंद साहू भारत भूषण साहू महादेव सिंह शत्रुघ्न पाल प्राधिकृत अधिकारी एम एल पटौदी सहित बड़े संख्या कृषक उपस्थित थे।

भाजपा उतई मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा ने पौधरोपण कर मनाया जन्म दिन

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

भाजपा उतई मंडल के अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा ने अपने जन्मदिन पर मंडल के कार्यकर्त्ताओं के साथ रेस्ट हाउस उतई में पौधरोपण कर जन्म दिन मनाया। इस दौरान उनको कार्यकर्ताओं ने केक काटकर व मिठाई खिलाकर गुलदस्ता व पुष्पहार भेटकर जन्मदिन की बधाई दी। पश्चात वर्मा को बधाई देने लोगो का तांता लग गया। बधाई देने वालो में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, उतई मंडल महामंत्री सोनू राजपूत, भाजयुमों मंडल अध्यक्ष प्रवीण यदु, करण सेन, सतीश चंद्राकर, चंदु देवांगन, नगर भाजपा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण साहू, फ्लेंद्र राजपूत, सांसद प्रतिनिधि घनश्याम चंद्राकर, शुभम वर्मा, खोपली सरपंच मंजू वर्मा, बिमला कामड़े, धनेश्वरी देशमुख, शीतल रात्रे, टिकेश्वरी साहू, लक्ष्मी बंजारे, ममता चंद्राकर, वैभव देवांगन, सुखीत यादव, खूबीराम साहू, नरेंद्र साहू, सोहन रिगरी, हुबलाल चंद्राकर, रूपेश पारख, देवेंद्र राजपूत, सोमेश साहू, अजय हिरवानी, दिनेश पटेल, राजूलाल साहू, विनोद, छगन बंजारे, हरीश यादव, ओपी चंद्राकर सहित सैकड़ों कार्यकर्त्तागण शामिल है।

दल्हन-द बॉडी बिल्डर्स के थीम पर मनाया गया बाल दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बेमेतरा में बाल दिवस के अवसर पर आनंद मेला का आयोजन किया गया, इस आनंद मेला का मुख्य आकर्षण केवल दल्हन से बने व्यंजन थे, कक्षा तीसरी से आठवीं तक के बच्चों ने दल्हन से बने तरह-तरह के व्यंजनों को 48 स्टॉल में सजाया। इस मेले का उद्देश्य बढ़ते बच्चों को प्रोटीन की अनिवार्यता को समझाना था। दल्हन में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाई जाती है। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न दल्हनों से प्राप्त प्रोटीन की तुलनात्मक अध्ययन कर संतुलित आहार में इनके उपयोग तथा स्वास्थ व सुडोल शरीर के गठन में इनके महत्व को समझा व समझाया। बच्चों ने आनंद मेले में मूंगदाल की खीर, हलुवा, पकोडे और ढोकला, तथा अंकुरित सलाद आदि स्वादिष्ट पकवान बनाया। इस उपलक्ष्य पर नीतू कोठारी पार्षद ने बढ़ते बच्चों को दैनिक जीवन में दल्हन का प्रर्याप्त मात्रा में उपयोग कर पौष्टिक आहार का सेवन करने का संदेश दिया तथा बाल दिवस के अवसर पर संस्था के प्रमुख सुदेशा चटर्जी व सभी शिक्षक-शिक्षिका तथा पालकगण भी उपस्थित थे।

एसपी ने ली राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना चौकी प्रभारियों की बैठक

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा के मीटिंग हाल में समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना/चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें लंबित अपराधो, मर्ग, गुम इंसान, लंबित शिकायतो का शीघ्र निकाल करने, धारा 170, 126,135 (3), बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने, पेंशनदारान, 173 (8) के तहत आबकारी एक्ट के प्रकरण में फरार आरोपी एवं 299 के फरार आरोपियों को भी तस्दीक करने, लघु अधिनियम, जिला बदर एवं बाउंड ओवर की कार्यवाही करने, एवं वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त पत्रों का सही समय में निकाल करने एवं वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशों का पालन करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। लंबित संमंस, लंबित वारंट व ऑपरेशन ईगल अभियान चलाकर स्थायी वारंट की तामिली किये जाने, ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम/अपहृत (बालक/बालिका) को दस्तयाब कर बरामद करने तथा अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक एवं माइनर एक्ट की कार्यवाही करने, अपराध नियंत्रण हेतु मुखबीरी/सूत्रों को बनाये रखने, अवैध शराब बिक्री, अवैध मादक पदार्थ गांजा, जुआ, सट्टा एवं अन्य नशीली दवाओं पर सख्त कार्यवाही करने, ताकि अपराधों की रोकथाम की जा सके। माननीय न्यायालय द्वारा जारी समंस वारंटो की तामीली शत-प्रतिशत करने, स्थाई वारंटों की तामिली शीघ्र करने, महिला एवं बच्चो संबंधी अपराधों का निराकरण करने, अधिकारियों के द्वारा दी गई विवेचना संबंधी बारिकियों पर विशेष रूप से ध्यान देने कहा तथा मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर बेहतर पुलिसिंग करने, संपत्ति सम्बन्धी अपराधों के आदतन आरोपियों पर पैनी नजर रख सख्त कार्यवाही करने तथा नए कानूनों के लागू हाने पर तकनीकी साक्ष्यों के संकलन के महत्व उनके संकलन करने के संबंध में निर्देशित किया गया। तथा विवेचको को ई साक्ष्य का उपयोग एवं ई साक्ष्य संकलन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये। चोरियो एवं अपराधो पर अंकुश लगाने हेतु रात्रि में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त सुदृढ करने, इस दौरान हाटल, लाज, ढाबा, एटीएम, बैक, बस स्टैण्ड, प्रतिक्षालय एवं संदिग्ध व्यक्तियो कि चेकिंग करने, गस्त को बढ़ाने व लगातार रात में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। त्रिनयन एप के माध्यम से बेमेतरा जिले के लिए विकसित सीसीटीवी कैमरा का डेटाबेस है जो तेजी से अपराध सुलझाने के लिए पुलिस को सशक्त बनाने, सायबर अपराध पर नियंत्रण हेतु रेंज तथा जिलों में सायबर प्रहरी का प्रचार-प्रसार कर व्हाट्सएप ग्रुप बीट वाईस बनाया गया है उसमें अधिक से अधिक लोगो को जोडकर जन जागरूकता अभियान चलाया जाने निर्देशित किया गया। तथा समस्त राजपत्रित अधिकारियों को सोशल मीडिया पर सतत् निगाह रखने, ऑनलाईन फायनेंसियल फ्राड, साइबर क्राईम, सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे अपराधों के संबंध में आम जनता को जागरूक करने तथा सामुदायिक पुलिसिंग के अंर्तगत हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से हॉट/बजारो व ग्रामीणों एवं स्कुली बच्चो कों जागरूक किए जाने एवं हमर पुलिस हमर बजार के माध्यम से युवाओं को छ.ग. पुलिस आरक्षक भर्ती हेतु किसी के झांसा में नही आने एवं भर्ती कराने के नाम पर भष्टाचार करने वाले के उपर कानूनी कार्यवाही किये जाने के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

बेमेतरा नगर के विभिन्न वार्डो के गौरा गौरी महोत्सव में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने एकादशी देवउठनी की रात बेमेतरा नगर में मनाई जा रहे परंपरा अनुसार गौरी गौरा विवाह स्थल पहुंचकर मौके पर गौरी गौरा की पूजा अर्चना की नगर वासियों ने लोकगीतों और नृत्य के बीच गौरा गौरी का विवाह कराया गया, पूजन अर्चन के पश्चात गौरी गौरा का विसर्जन शोभा यात्रा निकाल कर किया गया पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा के विभिन्न वार्डों में हाई स्कूल रोड पिकरी विद्यानगर सिंघौरी समेत अन्य स्थानों पर पहुंचकर गौरी गौरा की पूजा अर्चना का आशीर्वाद लिया एवं क्षेत्र की मंगल कामना हेतु प्रार्थना की तथा पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि यह गौरी गौरा पूजन हमारी प्राचीन परंपरा है तथा जिसमें शिव भगवान और माता पार्वती की मूर्तियां बनाकर उनकी बारात निकाली जाती है इस अवसर पर उपस्थित सुमन गोस्वामी शहर अध्यक्ष मनोज शर्मा पार्षद रश्मि मिश्रा पार्षद रानी डेनिम सेन पार्षद राजू साहू पार्षद घनश्याम देवांगन पार्षद चंद्र प्रकाश शीतलानी एल्डरमैन प्रशांत तिवारी एल्डरमैन शत्रुहंन साहू देवशरण गोसाई सहाब सीताराम यदु राम यदु एवं अन्य साथी गण रहे।

कलेक्टर साहब नदी मे चैन माउंटेन लगाकर ठेकेदार निकाल रहा रेत, कागज में मशीन लगाने की अनुमति नहीं

दो दो चैंन माउंटेन मसीन लगाकर बरबसपुर रेत घाट से बडे पैमाने निकाली जा रही रेत जिम्मेदार महिने का पैकेज लेकर खुश

पायनियर संवाददाता जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

जिले के नवागढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बरबसपुर रेत घाट मे ठेकेदार ने दो दो चैन माउंटेन लगाकर धड़ल्ले से रोजाना सैकड़ों हाइवा रेत निकालकर परिवहन कर रहा है जब की किसी भी रेत घाट मे किसी तरह की मसीन लगाकर रेत निकालने की अनुमति नही है पर बरबसपुर रेत घाट मे जिम्मेदार खनिज विभाग के अधिकारियों के संरक्षण मे ठेकेदार दो दो चैन माउंटेन लगाकर हसदेव नदी की अस्तित्व मिटाने में ठेकेदार कोई कसर नही छोड रहा है केव की ठेकेदार जिम्मेदार अधिकारीयों को हर महीने मैनेज करते आ रहा है इसी वजह से जिम्मेदार अधिकारी भी ठेकेदार को पुरा संरक्षण दे रहे है और बरबसपुर हसदेव नदी मे चैन माउंटेन लगाकर रेत निकालने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उसे खुली छूट दे रहे हैं। ग्राम पंचायत बरबसपुर के रेत घाट को बंद करने के लिए ग्रामीण भी जिम्मेदार अधिकारी को अवगत करा चुके है पर जिम्मेदार अधिकारी है की अपने अड़ियल रवैया पर बरकरार बने हुए हैं जिसे लेकर ग्रामीणों मे भी काफी आक्रोश पनप रहा है?

ठेकेदार को बरबसपुर रेत घाट से निकालने की अनुमति क्या मिली बना दिया घाट को खोदापुर -ग्राम पंचायत बरबसपुर रेत घाट मे खनिज नियम को ठेगा दिखाते हुए ठेकेदार घाट से रेत निकाल रहा है यहां दो दो चैन माउंटेन लगाकर हसदेव को छल्ली करने मे ठेकेदार कोई कसर नही छोड रहा है ठेकेदार को तीन फिट तक रेत निकालने की अनुमति मिली है वह भी केवल फावड़ा से रेत निकालना है पर यहां तो ठेकेदार नदी में दो दो चैन माउंटेन मसीन लगाकर बीस बीस फिट तक गहरी खाई बना कर हसदेव नही से रेत निकाल रहा है और जिम्मेदार खनिज विभाग अपने एयर कंडीशनर कमरे में हसदेव को छल्ली छल्ली होते देख रहे है।

शासन का खनिज नियम केवल कागज तक सीमित धरातल मे चौबीस घंटे छल्ली हो रही हसदेव -हसदेव नदी से चौबीस घंटे दो दो चैनमाउंटेन मसीन लगाकर रेत निकाली जा रही है जब की शासन का सख्त आदेश है कि साम 6 बजे के बाद नदी से रेता का उत्खनन नही करना है पर यहां तो बरबसपुर रेत घाट से रात दिन हसदेव नदी से रेत निकाली जा रही है और इस अवैध उत्खनन में खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ठेकेदार का पुरा सहयोग कर अवैध कारोबार को बढ़ावा दे रहे है बताया जा रहा है की जिन व्यक्तियों ने बरबसपुर रेत घाट को पेटी ठेका मे लिया है वह एक राजनैतिक पार्टी से जुड़े हुए है जिसके चलते खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी उनके इस अवैध कारोबार पर रोक लगाने के बजाए उनके इस अवैध काम मे पुरा सहयोग प्रदान कर रहे है।

> रास्ता बनाने के लिये मसीन उतारा होगा अगर लोड भी कर रहा है तो इसी जांच के लिए इंस्पेक्टर भेजता हूं।
>
> **हेमंत चेरपा**
> **जिला खनिज अधिकारी जांजगीर चांपा**

स्वामी आत्मानंद स्कूल में विकास खंड स्तरीय बालमेला सम्पन्न

पायनियर संवाददाता मनोरा
www.dailypioneer.com

बाल दिवस के उपलक्ष्य में विकासखंड मनोरा स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक शाला मनोरा के प्रांगण में विकासखंड स्तरीय बाल मेला का आयोजन किया गया। बालमेला में बच्चों को खेल, गणितीय गतिविधि, पेंटिंग, पजल गेम, संस्कृति कार्यक्रम व अन्य शिक्षा से जुड़े विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक दक्षता कलात्मक क्षमता प्रस्तुत करने का सामूहिक मौका मिला। इस तरह किताबों की दुनिया और आसपास की दुनिया को जोड़ते हुए बच्चे और शिक्षकों ने मिलकर सीखने का उत्सव मनाया। कार्यक्रम का संचालन अजीम प्रेमजी फाउंडेशन मनोरा की टीम के नदीम , मुकेश, एवं चंद्रदेव नायक के द्वारा किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन आत्मानंद उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य जे.आर. वैरागी के द्वारा किया गया। बाल मेला में विकासखंड मनोरा के संकुल मनोरा, कांटाबेल, भीमसिला, खरसोता, शैला, टेम्पु, सोगड़ा, डुमरटोली, आस्ता एवं तिगरा के प्राथमिक शाला माध्यमिक शाला के छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे। बालमेला कार्यक्रम में विषयवार कई स्टाल भी मेला में लगाए गए थे यहां पर गणित विज्ञान पर्यावरण एवं भाषा शिक्षण संबंधी जानकारी के साथ सीखने की आसान गतिविधियों से बच्चों को अवगत कराया गया।शैक्षिक स्टॉल के साथ-साथ रंगोली, रंग भरो प्रतियोगिता, ड्राइंग, कहानी पूर्ण करना, कविता की हेडिंग लिखना आदि कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों शिक्षकों को अपने उद्बोधन में तरुण कुमार पटेल सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी मनोरा के द्वारा ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में रुचि, प्रतिभाओं-क्षमताओं के विकास, के साथ-साथ आत्मविश्वास, सीखने की रुचि, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नेतृत्व क्षमता के विकास के अवसर मिलते है। बच्चों को ऐसे कार्यक्रमों-गतिविधियों में शामिल करने हेतु उपस्थित शिक्षको को प्रोत्साहित किया गया।

बकुंठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर पूजा अर्चना उपरांत महिलाओं ने मनाया दीप उत्सव

पायनियर संवाददाता रामानुजगंज
www.dailypioneer.com

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को वैकुण्ठ चतुर्दशी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने देवालय एवं शिवालय में भगवान विष्णु एवं भगवान शिव की पूजा आराधना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधि विधान से करने पर व्यक्ति को मृत्यु के बाद वैकुण्ठ की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार,भगवान शिव ने कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्र दिया था। आज के दिन भगवान विष्णु के साथ ही देवों के देव महादेव की भी पूजा करने का विधान है। वैकुण्ठ चतुर्दशी एक ऐसी तिथि है,जो वर्ष में एक बार उपलब्ध होती है और इसका विशेष महत्व है। वैकुण्ठ चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु तथा भगवान शिव की पूजा एक साथ की जाती है। ऐसा बहुत ही कम अवसर प्राप्त होता है, जब इन दोनों देवों की पूजा एक साथ होती है। ऐसी भी मान्यता है कि जब भगवान विष्णु देवउठनी एकादशी को योग निद्रा से जागृत होते है,उसके बाद से ही भगवान शिव के ध्यान में लीन हो जाते है। इस दिन श्राद्ध और तर्पण कर्म करना भी उत्तम माना जाता है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए योद्धाओं का श्राद्ध वैकुण्ठ चतुर्दशी को ही कराया था। वही नगर की महिलाओं के द्वारा प्राचीन राम मंदिर में श्रद्धा पूर्वक दीप उत्सव का कार्यक्रम मनाते हुए नगर के अन्य मंदिरों में दीप प्रज्वलित किया गया।

उत्कृष्ट एवं अच्छे कार्य करने वाले आंगनवाड़ी एवं सहायिका के साथ सुपरवाइजर का हुआ सम्मान

पायनियर संवाददाता जैजैपुर
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत जैजैपुर के सद्भावना भवन में एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उत्कृष्ट कार्य करने वाले को 9 स्मृति चिन्ह एवं 59 प्रशस्ति पत्र से सम्मानित। नगर पंचायत जैजैपुर के सद्भावना भवन में एकीकृत महिला एव बाल विकास के तत्वाधान में यह कायक्रम का आयोजन रखा गया। जिसमें सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के द्वारा मां शारदा की चित्र पर पूजा अर्चना के बाद मंच पर आसीन हुए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं पुष्प हार से अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमाशंकर चंद्रा जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जैजैपुर, राजकुमारी जनपद सदस्य, ललिता कश्यप जनपद सदस्य, सुनीता चंद्रा पार्षद, राजकुमारी दिव्य पार्षद सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया तत्पश्चात सुवा नृत्य से कार्यक्रम का संचालन प्रारंभ हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य संचालक एवं प्रवक्ता के रूप में विद्या महंत रही उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को उनके कर्तव्य, अधिकार के बारे में अवगत कराया और उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम 14 नवम्बर को पूरे छत्तीसगढ़ में चलाया जा रहा है । नगर पंचायत जयजयपुर में भी यह कार्यक्रम सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया। जिसमें बढ़ चढ़कर पूरे जैजैपुर विकासखंड क्षेत्र सुपरवाईजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मान्य उमाशंकर चंद्रा जनपद पंचायत उपाध्यक्ष जैजैपुर। सम्मान समारोह की प्रशंसा की तथा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एवं सपरवाइजर को सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास अधिकारी पुष्प लता अग्रवाल बेहतरीन कार्यक्रम होना बताया और खुसी जताया कार्यक्रम के आयोजक पुष्प लता अग्रवाल परियोजना महिला एवं बाल विकास अधिकारी जयजयपुर विशिष्ट अतिथि राजकुमारी जनपद सदस्य, ललिता कश्यप जनपद सदस्य, सुनीता चंद्रा पार्षद, राजकुमारी दिव्या पार्षद , सुपरवाईजर लक्ष्मी भारतेंदु, ज्योति जांगड़े, सुप्रिया साहू, सुनीता चौहान, पुष्पा बघेल, बसंत सिदार, प्रतिमा देवांगन, अशोक बाई विजय, जे आर सूर्यवंशी, जे आर जायसवाल सद्भावना हाल जैजैपुर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका से भरा रहा ,विद्या महंत एम् जयोति जांगड़े इस कार्यक्रम का संचालन किया।

फ्लिपकार्ट ने मध्य प्रदेश में अपनी सप्लाई चेन क्षमता को बढ़ाया

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने इंदौर मध्य प्रदेश में अत्याधुनिक फुलफिलमेंट एवं सॉर्टेशन सेंटर खोला है। यह सेंटर 1.59 लाख वर्ग फीट में बना है। इस रणनीतिक निवेश से राज्य में डिलीवरी की गति तेज होगी, स्थानीय स्तर पर 600 से ज्यादा रोजगार सृजित होंगे और राज्य के सभी पिन कोड तक डिलीवरी सर्विस उपलब्ध कराई जाएगी। यह सेंटर बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय प्रगति को लेकर फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दिखाता है। सेंटर की लॉन्चिंग के मौके पर माननीय सांसद शंकर लालवानी, फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार व अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। यह सेंटर मध्य प्रदेश में विस्तार करने के फ्लिपकार्ट के प्रयासों की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। इस अवसर पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा फ्लिपकार्ट पूरे भारत में समावेशी विकास और डिजिटल सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय समुदायों संग हमारे जुड़ाव के साथ-साथ इंदौर, मध्य प्रदेश में नए फुलफिलमेंट सेंटर की लॉन्चिंग सतत विकास को बढ़ावा देने, एमएसएमई को समर्थन देने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। स्थानीय समुदायों को जरूरी टूल्स, बाजार तक पहुंच और मजबूत सप्लाई चेन से लैस करते हुए हम उन्हें सतत आजीविका के सृजन में मदद कर रहे हैं।

सैमसंग ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 6 और जेड फ्लिप 6 पर पेश किए अब तक के सबसे धमाकेदार फेस्टिव ऑफर्स

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रैंड सैमसंग ने अपने छठी जनरेशन के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 पर अब तक के सबसे शानदार फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 अब 144999 रुपये में उपलब्ध है, जबकि इसकी असल कीमत 164999 रुपये है। साथ ही, ग्राहक 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई का फायदा भी उठा सकते हैं। इसी तरह, गैलेक्सी जेड फ्लिप6 की कीमत अब 89999 रुपये है, जो पहले 109999 रुपये थी, और यह भी 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के विकल्प के साथ आ रहा है। जिन ग्राहकों को ईएमआई का विकल्प चाहिए, वे गैलेक्सी जेड फ्लिप6 को 2500 रुपये प्रति माह और गैलेक्सी जेड फोल्ड6 को 4028 रुपये प्रति माह की आसान किस्तों में खरीद सकते हैं। यह ऑफर सीमित समय के लिए उपलब्ध है, जिससे फेस्टिव सीजन में उपभोक्ता प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन का अनुभव पा सकें। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 खरीदने वाले ग्राहकों के लिए एक शानदार मौका है। सीमित समय के लिए, ग्राहक सिर्फ 999 रुपये में गैलेक्सी जेड एश्योरेंस प्रोग्राम का लाभ उठा सकते हैं। यह प्रोग्राम डिवाइस की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 के लिए इस प्रोग्राम की असल कीमत 14999 रुपये और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए 9999 रुपये थी। जेड एश्योरेंस के तहत ग्राहक एक साल में दो क्लेम का लाभ उठा सकते हैं।

सुपर्ब आइडियाज ट्रेडिंग की यूट्यूब सीरीज़ को 'पति पत्नी और बेबी' के रूप में कलर्स पर नया घर मिला

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

घर वह जगह है जहां आपका मन बसता है, जबकि यह साल खत्म होने वाला है, इसलिए अपने प्रियजनों के साथ बैठकर पारिवारिक ज़िंदगी की अनोखी मस्ती का आनंद लेने का इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता। 2024 के फिनाले को और भी खास बनाते हुए, कलर्स 'पति पत्नी और बेबी' नाम से सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेडिंग की पसंदीदा यूट्यूब सीरीज़ पेश कर रहा है। यह सहयोग यूट्यूब की लोकप्रिय सीरीज़ की हंसी, प्यार और छोटी-मोटी तकरार को टेलीविजन पर लेकर आया है, जिसका उद्देश्य देश भर के परिवारों को उनके लिविंग रूम में ह्यूमर का नवीन डोज़ पेश करना है। दैनिक जीवन की स्थितियों को लेकर शादी और परिवार से जुड़े दिलचस्प किस्सों से भरपूर, इस मज़ेदार स्लाइस-ऑफ-लाइफ शो में कई बेहतरीन कलाकार हैं: छवि मित्तल तुनकमिजाज़ी रोहिणी हैं, करण वीर ग्रोवर उनके प्यारे पति ऋषि की भूमिका में हैं, प्राचीन चौहान एक आदर्श पति अभिमन्यु की भूमिका में हैं, और पूजा गौर अभिमन्यु की समझदार पत्नी मीरा की भूमिका में हैं, साथ ही एक उपद्रवी घरेलू सहायिका, बेबी का किरदार शुभांगी लिटोरिया ने निभाया है। सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेडिंग द्वारा निर्मित, 'पति पत्नी और बेबी' का प्रीमियर 18 नवंबर को होगा और यह हर दिन 12:30 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होगा। कलर्स का दर्शकों का बेस बहुत ज़्यादा है और सुपर्ब आइडियाज़ ट्रेडिंग का सिग्नेचर ह्यूमर भारतीय घरों के हंगामे को दर्शाता है, जिनकी साझेदारी मनोरंजन के असाधारण मंच का निर्माण करती है। अपने दिल छूने वाले, भरोसेमंद और नवीन कॉन्टेंट से दर्शकों का निरंतर दिल जीतने के कलर्स के बेजोड़ ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, 'पति पत्नी और बेबी' आकर्षक शोज़ की इसकी लाइब्रेरी में एक बेहतरीन सदस्य के रूप में पूरी तरह से फिट बैठता है।

लेनोवो ने प्रोफेशनल्स के लिए तैयार किए गए नए हाई-परफॉर्मेंस टैबलेट और लैपटॉप के साथ भारत में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मॉडर्न ऑफिस के लिए एक अफोर्डेबल कमर्शियल टैबलेट भी लॉन्च किया

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

लेनोवो, ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावरहाउस लेनोवो ने भारत में लेनोवो के11 टैबलेट के अपग्रेडेड वैरिएंट के रूप में लेनोवो टैब के11 (एन्हांस्ड एडिशन) लॉन्च करने की घोषणा की। यह अत्याधुनिक वैरिएंट एंटरप्राइजिज और प्रोफेशनल्स की अलग अलग तरह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो बेहद किफायती कीमत पर बेहतरीन परफॉर्मेंस, सुरक्षा, मैनेजेबिलिटी और ड्यूरेबिलिटी का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन प्रदान करता है। आशीष सिक्का, डायरेक्टर और कैटेगरी हेड, लेनोवो इंडिया ने कहा कि यूज़र्स की बदलती मांगों को ध्यान में रखते हुए, के11 (एन्हांस्ड एडिशन) टैबलेट को एंटरप्राइजिज और प्रोफेशनल्स की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस, ड्यूरेबिलिटी और मैनेजेबिलिटी का एक बेहतरीन मिक्स प्रदान करता है। इसका वाइब्रेंट डिस्प्ले और पॉवरफुल प्रोसेसिंग इस टैबलेट को उन बिज़नेसेज और कर्मचारियों के लिए एक आइडियल विकल्प बनाता है जो एक ही डिवाइस में कई सारे काम एक साथ करने और बेहद कार्यकुशलता की अपेक्षा करते हैं। शानदार 11 इंच की एलसीडी डिस्प्ले के साथ 400 निट्स ब्राइटनेस और 1920×1200 रिज़ॉल्यूशन, शानदार विजुअल्स प्रदान करता है। डॉल्बी एटमॉस से लैस क्वाड स्पीकर इमर्सिव साउंड प्रदान करते हैं, जो मल्टीमीडिया और बिज़नेस उपयोग के लिए आइडियल है।

बंग समाज के द्वारा ग्राम धनगांव में की जा रही 42 वर्षों से रासलीला उत्सव का आयोजन

पायनियर संवाददाता रामानुजगंज
www.dailypioneer.com

जनपद पंचायत रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत धनगांव में विगत 42 वर्षों से रासलीला उत्सव का कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष होते चले आ रहा है इस वर्ष भी 15 नवंबर से 23 नवंबर 2024 तक श्री राधा कृष्ण मंदिर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। उक्त रासलीला की शुरुआत आज से 42 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश के पगला बाबा विश्वनाथ गिरी ने श्री कृष्ण भगवान की रासलीला उत्सव का शुभारंभ किया था। जिस परंपरा को बंग समाज के लोग विधि विधान पूर्वक आज भी निभाते चले आ रहे हैं उक्त उत्सव में पूरे संभाग भर से लोग शामिल होते हैं यहां तक की छत्तीसगढ़ प्रदेश के राज्य स्तरीय नेताजी इस रासलीला का आनंद उठाने के लिए शिरकत करने आते हैं। आयोजन समिति के बाबू हालदार मंगल विश्वास चंद्रकांत साना मनजीत मंडल शंकर मुखर्जी ने बताया कि नव दिवसीय आयोजित कार्यक्रम में ब्राह्मणों एवं कई पुजारीओं के द्वारा पूजा पाठ की जाती है। एवं मेला स्थल पर प्रतिदिन शाम को अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जैसे गरबा नृत्य, जादूगरी, आर्केस्ट्रा, जागरण एवं अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। विशेष महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान अखंड में उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, कोलकाता, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ के उच्च श्रेणी के कीर्तन मंडली द्वारा 16 प्रहर अखंड नाम संकीर्तन के साथ भंडारा की विशाल व्यवस्था किया जाता है। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का ताता लगा रहता है।

किसानों का पुष्पमाला और गुलाल लगाकर किया स्वागत

कलेक्टर पहुंचे दाऊपारा और कोदवाबानी खरीदी केंद्र

पायनियर संवाददाता मुंगेली
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप समर्थन मूल्य पर जिले में धान खरीदी शुरू हो गई है। उपार्जन केंद्रों में विधि विधान से पूजा-अर्चना कर धान खरीदी प्रारंभ की गई। इस दौरान किसानों में भारी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर कलेक्टर राहुल देव मुंगेली विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र दाऊपारा और कोदवाबानी पहुंचे।

उन्होंने पुष्पमाला पहनाकर और गुलाल लगाकर किसानों का स्वागत किया और बधाई दी। उन्होंने खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी प्रक्रिया का अवलोकन कर नमीमापक यंत्र से धान की नमी भी देखी और अपने समक्ष धान का तौल कराया। इस दौरान किसानों से चर्चा कर उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी ली।

अवैध धान खपाने वाले कोचियों-बिचौलियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश-कलेक्टर ने समिति प्रबंधक और प्रभारियों को लक्ष्य के अनुरूप धान खरीदी करने और जीरो शॉर्टेज का लक्ष्य हासिल करने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि किसानों को उपार्जन केंद्र में बेहतर से बेहतर सुविधा मिले, जिससे किसानों के चेहरे में मुस्कान नजर आए। किसान यहां से नया अनुभव लेकर जाएं। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कोचियों-बिचौलियों की सूची तैयार करने और राजस्व टीम के साथ अवैध धान खपाने वाले के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी शासन की प्राथमिकता का कार्य है। सभी अधिकारी-कर्मचारी आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए, धान खरीदी कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर एवं धान खरीदी के नोडल अधिकारी गिरीश रामटेके सहित संबंधित अधिकारी, स्थानीय प्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धान खरीदी केन्द्र में व्यवस्था देखकर खुश नजर आए किसान- बता दें कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले के 66 समितियों के 105 उपार्जन केन्द्रों में 01 लाख 10 हजार 103 पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर 31 जनवरी तक धान खरीदा जाएगा। इस दौरान खरीदी केन्द्र दाऊपारा धान विक्रय करने पहुंची ग्राम पेंडाराकापा की किसान श्रीमती भारती गोवर्धन ने बताया कि 2.4 हेक्टेयर में धान लगाया था, जिसे बेचने के लिए आई है। यहां सुविधा काफी अच्छी है। टोकन कटवाने तथा धान बेचने में कोई समस्या नहीं हुई। इसी तरह ग्राम देवगांव के कछुआम पटेल ने 01 एकड़ का धान, अशोक पटेल और ग्राम सुरदा के बसंत ने 1.25 एकड़ का धान बेचा और उपार्जन केन्द्र की सुविधाओं की सराहना की।

कलेक्टर ने किसान से चर्चा कर फसल कटाई और विक्रय की ली जानकारी-कलेक्टर राहुल देव ने मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम खेढ़ा में फसल कटाई कर रहे किसान मोहित ध्रुव से चर्चा कर खेती-किसानी, धान की कटाई एवं उसके विक्रय के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान किसान ने बताया कि वे उपार्जन केन्द्र में समर्थन मूल्य पर अपने धान का विक्रय करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के शासनकाल में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान एवं 3100 रूपए की प्रति क्विंटल की दर से की जा रही धान खरीदी की सराहना की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय मौजूद रहे।

पुन्नी मेला (पूर्णिमा) के पावन अवसर पर होगी मां खारुन गंगा महाआरती

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

महादेव घाट जन सेवा समिति और करणी सेना के तत्वाधान में 15 नवंबर को पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां खारुन गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आरती का आयोजन पिछले दो वर्षों से नदियों और पर्यावरण के संरक्षण के उद्देश्य से किया जा रहा है, और अब यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम बन गया है। खारुन गंगा आरती के माध्यम से नदियों और पर्यावरण के संरक्षण का अनूठा प्रयास खारुन गंगा आरती, जो पिछले दो वर्षों से महादेव घाट पर निरंतर आयोजित की जा रही है, नदियों और पर्यावरण के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुकी है।

ज्ञान गंगा एजुकेशनल एकेडमी में अभ्युदय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव के साथ बाल दिवस मनाया गया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश का यह प्रतिष्ठित ख्यातिलब्ध विद्यालय ज्ञानार्जन के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को भी सजाने संवारने के लिए प्रतिबद्ध रहता है, इसी उद्देश्य को आगे रखकर विद्यालय में 14 नवंबर से बाल दिवस के साथ 'अभ्युदय' वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव की रंगारंग शुरुआत की गई। मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की अध्यक्षा मंजू शांडिल्य तथा विद्यालय की डायरेक्टर प्रियंका शांडिल्य और विद्यालय की प्राचार्या प्रतिमा राजगोर उपस्थित रही। भारतीय संस्कृति के अनुरूप सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों के करकमलों द्वारा पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम दिनांक 14 नवंबर से 16 नवंबर तक अपनी इंद्रधनुषी छटा बिखेरेगा, जिसमें अनेकानेक रंगारंग एवं मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएँगे। बहुसंख्या में बच्चों ने पूर्ण हर्षोल्लास एवं रूचिकर ढंग से विभिन्न गतिविधियों में अपना नामांकन दिया है। वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण हैं- एकल नृत्य प्रतियोगिता, समूह नृत्य प्रतियोगिता, फैशन शो, रेत पेंटिंग, पुष्प सज्जा प्रतियोगिता, फायरलेस कुकिंग, रंगोली, मेहंदी, उपहार पैकिंग, अपशिष्ट से सर्वोत्तम एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता इत्यादि। प्रथम दिवस का मुख्य आकर्षण विविध प्रतियोगिताएँ रहीं, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। छात्रों ने अपनी करतल ध्वनि से प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपनी अपनी प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन किए। प्रथम दिवस के कार्यक्रम का समापन आदरणीय प्राचार्या प्रतिमा राजगोर द्वारा बाल दिवस की शुभकामनाओं तथा प्रतिभागियों के परिश्रम और लगन की सराहना करते हुए आगे भी इसी तरह लक्ष्य प्राप्ति के लिए बढ़ते रहने की शुभकामनाओं के साथ हुआ। विद्यालय के द्वारा सभी छात्रों को टॉफी एवं बिस्किट वितरित किया गया।

गुरुनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर जरूरतमंद बच्चों को इस वर्ष से दी जा रही है शिक्षा सहायता

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन के संस्थापक हरपाल सिंग भामरा एवं प्रदेशाध्यक्ष दलजीत सिंग चावला नें बताया की गुरुनानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में संगठन के द्वारा शिक्षा का लंगर जरुरतमंद सिक्ख परिवार के बच्चे व बच्चियों के शिक्षा के लिये इस वर्ष से सहायता प्रदान की जा रही है।

हमारी संस्था के द्वारा जरुरतमंद छात्रों को स्कूल फीस, कापी-किताब, ड्रेस, बैग व अन्य सामग्री निःशुल्क दी जायेगी। इसके अलावा सिक्ख संगठन द्वारा 4 वर्षो से दवाई का लंगर जेल रोड नमस्ते चौक में संचालित किया जा रहा है, जिसका लाभ निम्न वर्ग के लोग निरंतर प्राप्त कर रहे है। इसके अलावा पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा का भी विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है एवं एक निःशुल्क एम्ब्युलेंस भी संस्था द्वारा संचालित की जा रही है। जरुरतमंद लोगों का इलाज भी निःशुल्क संस्था द्वारा किराया जा रहा है। संगठन द्वारा निरंतर 25 वर्षो से सचखंड हजुर साहेब की यात्रा निःशुल्क करायी जा रही है एवं अमरकंटक यात्रा भी प्रतिवर्ष निःशुल्क करायी जा रही है। इसके अलावा संस्था द्वारा दरबार साहेब अमृतसर, मनीकरण साहेब, हेमकुण्ड साहेब, पटना साहेब, दमदमा साहेब एवं आरती साहेब (पुरी) की भी यात्रा कराये जा रही है। एक सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है जो विभिन्न कार्यक्रमों के अलावा धार्मिक यात्रा का भी आयोजन करती है, संगठन के पदाधिकारीगण हरपाल सिंह भामरा, दलजीत सिंह चावला, अरुण छाबड़ा, लवली अरोरा, बंटी गुरुदत्ता, रजिंदर सिंग होरा, गुरमीत सिंह टोनी, मोनू सलूजा, मनमीत सिंग, रंजीत अरोरा, रिंकू मक्कड़, गुरुभेज सिंग, गुरुचरण सिंग टांक, यशवंत सिंग, काके मक्कड़, गोल्डी खनुजा उपस्थित रहे।

केसीपीएस कुरूद में धूमधाम के साथ मना बाल दिवस

मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति ने मोहा मन, आनंद मेला का बच्चों ने उठाया लुफ्त, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

पायनियर संवाददाता ◄ कुरूद
www.dailypioneer.com

नगर की शैक्षणिक संस्था कलीराम चंद्राकर पब्लिक स्कूल कुरूद में गुरुवार को बहुत ही धूमधाम के साथ बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में आनंद मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पी डनसेना प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय थे। विशिष्ट अतिथि नितिन कुमार शर्मा प्राचार्य डीपीएस, बीआरसीसी कुलेश्वर सिन्हा, उप प्रबंधक योगेश चंद्राकर आदि थे। कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञानदायनी मां सरस्वती की पूजा वन्दना से हुई। इसके उपरांत अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन हुआ। इसके पश्चात कार्यक्रम की श्रृंखला की शुरूआत हुई और रिबन काटकर स्टॉल का श्री गणेश हुआ। इसके साथ ही बच्चों और पालकों ने स्टॉल में खूब आनंद लेते हुए विभिन्न व्यंजनों का घूम-घूम कर खूब लुफ्त उठाया। वहीं मिकी माउस ,उछलकूद झूला और अन्य मनोरंजक चीजों का खूब मजा लिया गया। मुख्य मंच में नन्हे-मुन्हे बच्चों ने एक से बढ़कर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। जिसमें विभिन्न राज्यों से जुड़े मनमोहक गीत, पारंपरिक नृत्य सहित रैंप वॉक और अन्य कलात्मक प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। मुख्य अतिथियों के करकमलों विगत वर्ष बोर्ड कक्षाओं में अग्रणी रहे और अन्य क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले बच्चों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। अतिथि उद्बोधन में डीपीएस धमतरी के प्राचार्य नितिन कुमार शर्मा ने बच्चों को बाल दिवस की बधाई दी और कहा कि जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व है। आप विधार्थी जीवन में हमेशा आगे बढ़ो और कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ के अपने माता-पिता के सपनो को साकार करो। प्राचार्य के मंजीता ठाकुर ने कहा कि मुझे अपने विद्यालय के बच्चों पर काफी गर्व महसूस हो रहा है कि वे न केवल पढ़ाई बल्कि हर विधाओं में हमेशा आगे रहे है। प्यारे बच्चों आप हमेशा इसी तरह आगे बढ़ो और अपने सपनो को साकार करों। इसके उपरांत कार्यक्रम की श्रृंखला जारी रही और स्टॉल, नृत्य और अन्य कार्यक्रम साथ जारी रहा। इसी तरह कार्यक्रम के दौरान बीच-बीच में संचालको द्वारा आमंत्रित पालकों का क्विज के माध्यम से मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम में अपने शानदार मंच संचालन से करण सिन्हा, भारत भूषण सिन्हा, श्वेता सिंह राजपूत और चंद्रकांति पटेल ने सबका मन मोह लिया। वहीं सांस्कृतिक प्रभारी रेखा सिन्हा, मुकेश कश्यप सहित पूरी टीम एवं डांस टीचर लीजा राजपूत के इस शानदार संयोजन की सभी ने तारीफ की।

स्कूल में बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

पायनियर संवाददाता ◄ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

भानुप्रतापपुर स्थित बचपन प्ले स्कूल में आयोजित चकित्सा शिविर में चिकित्सकों ने बच्चों का चिकित्सीय परीक्षण कर स्वास्थ्य संबधी टिप्स दिए। इस दौरान चिकित्सकों ने बच्चों को बिमारियों से बचने के लिए साफ-सफाई रख संतुलित भोजन करने की सलाह दी। आयोजित चिकित्सिय शिविर में दांतों के डाक्टर सुचंद्रा चक्रवर्ती द्वारा बच्चों के दांतों की साफ-सफाई के तरीके तथा उसे स्वास्थ्य रखने के उपाय और इलाज के बारे मे बताया गया। उन्होंने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी चर्चा करते हुए बताया कि प्रदूषण और भागदौड़ भरे वातावरण में संक्रामक बीमारियां हमें शीघ्र घेर लेती है। इनसे बचने के लिए हमें व्यायाम करने और संतुलित भोजन लेने के साथ ही समय समय पर चिकित्सीय परामर्श लेने की सलाह दी। उन्होंने आई फ्लू, मलेरिया और टायफाइड आदि से बचाव को आवश्यक टिप्स दिए।जनरल डॉक्टर निष्ठा के द्वारा बच्चों का हेल्थ चेकअप जैसे सर्दी, खांसी, बुखार का परीक्षण तथा ठंड से बच्चों को कैसे स्वस्थ्य रखना है उसके बारे मे बताया। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल लिपिका चटर्जी एवं सभी स्टाफ उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा के लिए स्वस्थ मस्तिष्क का होना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही बच्चों को अपनी सेहत के प्रति सजग रहना चाहिए।

निशा स्वर वेलफेयर फाउंडेशन ने शासकिय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय मे बालदिवस मनाया गया

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

निशा शहर से 6 किलोमीटर दूर दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल में बाल दिवस का आयोजन किया गयाइस अवसर पर फाउंडर निशा नागवंशी, कोफाउंडर झरना मोहंती और वी.संतोष ने बताया कि उनका उद्देश्य बच्चो में सिक्षा और उनकी खुशियों के साथ-साथ उनके अधिकारों के प्रति समाज में जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देने के लिए एक छोटी सी कोशिश है। निशा नागवंशी और झरना मोहंती ने विकलांग बच्चों में खुशियां बांटकर बहुत ही प्रसन्नता महसूस की और उनके साथ इस बाल दिवस को खुशियों के साथ मनाया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल तोमेश्वर सिन्हा और उनके सारे टीचिंग स्टाफ ने भी पूरे उत्साह और खुशी के साथ बालदिवस मनाया, इस कार्यक्रम में फाउंडेशन से विशाल शुक्ला, तशिश उपाध्याय, गौरव राव एवं आदर्श उपस्थित थे, उनके अनुसार बच्चे बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्र रूप से सीखने और बढ़ने का अधिकार रखते हैं। साथ ही जागरूकता के किए बच्चों के प्रति बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बहुत सारे आयोजन भी किए गए जहां दृष्टिहीन बच्चो ने भी इस अवसर पर नृत्य में अपनी प्रतिभा दिखाई और श्रवणहीन बच्चो ने भी कई कार्यक्रम में साथ मिल कर खुशियों के साथ बालदिवस मनाया।

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में राष्ट्रीय बाल दिवस उत्साह से मनाया गया

पायनियर संवाददाता ◄ लवन
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के कसडोल विधानसभा के लवन तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत कोलिहा के सरकारी जमीन पर निर्मित एवं संचालित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती को उत्साह के साथ 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप में मनाकर श्रंद्धाजलि अर्पित किये गए।इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं ने एक से बढ़कर एक अपनी प्रतिभा का कौशल दिखाए। विद्यालय के प्राचार्या बी गिरिजा, अध्यापकगण और सभी विद्यार्थियों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर पूजन कर पुष्प अर्पित किए इस बाल दिवस के पावन अवसर पर विद्यालय के नवमी कक्षा की छात्राएं तोषिता वर्मा, साक्षी जांगड़े और आलिया बंजारे ने बाल दिवस और नेहरू के संदर्भ में भाषण प्रस्तुत कर सबको प्रेरित किये साथ ही विद्यालय के प्राचार्या बी गिरिजा ने राष्ट्रीय बाल दिवस के उपलक्ष्य में सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे और उनका मानना था कि बच्चों के अच्छे विचार और शिक्षा में उन्नति होनी चाहिए जिससे कि भविष्य में समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान दे सकें इसके उपरांत विद्यालय के भूगोल प्रवक्ता चंदन कुमार तिवारी ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुरुआत वियना सम्मेलन सन 1925 से हुई जिसमें विभिन्न राष्ट्रों ने भाग लिया और बताया कि किसी भी राष्ट्र का विकाश स्तंभ उस राष्ट्र के बच्चों पर टिका हुआ है इसलिए प्रत्येक राष्ट्र किसी एक तिथि को बाल दिवस मनाए और बच्चों के सर्वांगीण विकाश पर ध्यान दे तथा पहली बार विश्व बाल दिवस 20 नवंबर 1954 को मनाया गया, भारत में प्रथम बार बाल दिवस 20 नवंबर 1959 को मनाया गया सन् 1964 में पंडित जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद बाल दिवस को 20 नवंबर के स्थान पर 14 नवंबर को पंडित जवाहर लाल नेहरू के जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इस जानकारी के बाद तिवारी ने बाल दिवस के महत्व पर भी प्रकाश डाला और बच्चों को विशेष जानकारी प्रदान की। वहीं विद्यालय के संवेदनशील शिक्षक राजेंद्र सिक्का ने बाल दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू को बच्चों से अत्यधिक लगाव था इसी कारण छात्र-छात्राएं उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करते थे। बच्चों के प्रति नेहरू का स्नेह एवं नेहरू का बच्चों द्वारा सम्मान पूर्वक चाचा नेहरू पुकारना अच्छा लगता था इसी कारण देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपने जन्मदिन को बच्चों के नाम करते हुए उस दिन को बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा किये तब से लेकर पंडित नेहरू के जन्मदिन को पूरे भारतवर्ष बाल दिवस के रूप में मनाते आ रहा है। बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं सहित शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया रायपुर सेंट्रल जेल का भ्रमण

पायनियर संवाददाता ◄ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर के विधि संकाय ने हाल ही में एलएलबी (ऑनर्स) और बीए एलएलबी (ऑनर्स) के छात्रों के लिए रायपुर सेंट्रल जेल का एक शैक्षिक दौरा आयोजित किया, जिसका उद्देश्य छात्रों को जेल प्रशासन, आपराधिक न्याय प्रणाली और कैदियों के लिए सुधारात्मक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जेल प्रबंधन और सुधार प्रक्रिया को समझने में सहायता करना था। छात्रों का जेल अधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिन्होंने जेल का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत किया और राज्य की आपराधिक न्याय प्रणाली में इसकी भूमिका और आंतरिक कार्यों के बारे में समझाया। छात्रों को विभिन्न प्रकार के कैदियों के लिए जेल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष भी शामिल है, जहां कैदी अपनी उपस्थिति के बिना ऑनलाइन ट्रायल में भाग ले सकते हैं। अधिकारियों ने विभिन्न प्रकार के सेल के बारे में बताया, जो विभिन्न प्रकार के कैदियों के लिए बनाए गए हैं, जिसमें ट्रांसजेंडर कैदियों की निजता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष सुरक्षा इकाई भी शामिल है। दौरे के दौरान, छात्रों ने जेल के आवासीय बैरक, रसोई, प्रिंटिंग प्रेस, मुलाकात कक्ष और चिकित्सा सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने कैदियों के लिए विभिन्न प्रकार के कारावासों, जैसे साधारण और कठोर कारावास के बीच का अंतर और कैदियों के लिए निर्धारित यूनिफॉर्म के महत्व के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा, उन्हें बताया गया कि अच्छे आचरण के लिए एक इनाम प्रणाली भी है, जिसके अंतर्गत कैदी अपने सकारात्मक व्यवहार से पुरस्कार अर्जित कर सकते हैं। एक महत्वपूर्ण तथ्य जो छात्रों के लिए दिलचस्प था, वह यह था कि 1976 से रायपुर में किसी भी कैदी को मौत की सजा नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी सीखा कि जेल के भीतर दैनिक प्रबंधन कैसे होता है और पुलिस कर्मी तथा कैदी एक साथ सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में कैसे योगदान करते हैं। छात्रों को बताया गया कि दशहरा और गणपति जैसे त्योहार भी जेल के अंदर मनाए जाते हैं, जो कैदियों के बीच सामुदायिक भावना को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, छात्रों ने कैदियों के लिए उपलब्ध विभिन्न कुशल और अकुशल कार्यों के अवसरों के बारे में जाना, जिनकी आय उनके बैंक खातों में जमा की जाती है। इस पहलू ने जेल में कौशल प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता के महत्व को उजागर किया। छात्रों ने इस अनूठे शैक्षिक दौरे को आयोजित करने के लिए अपने संकाय सदस्यों डॉ. प्याली चटर्जी, विभागाध्यक्ष, डॉ. सिद्धार्थ देवरस, सहायक प्रोफेसर (विधि), और सहायक प्रोफेसर शुभार्थ शुक्ला के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर के पूरे प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया।

स्कूली बच्चो ने किया दीवार पत्रिका के प्रकाशन के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर चांपा -बम्हनीडीह
www.dailypioneer.com

चौदह नवंबर को देश के प्रथम प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जयंती को बच्चो के अधिकारों ,पोषण और कल्याण के लिए बाल दिवस के रूप में पूरे देश भर में मनाया जाता है। जांजगीर जिले के बम्हनीडीह विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला अमोदी में भी बाल दिवस को बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया । शिक्षक गुलजार बरेठ ने मॉर्निंग असेंबली में बाल दिवस के बारे में बच्चो को बताते हुए कहा कि जिस तरह से शिक्षक दिवस , मातृ-पितृ दिवस मनाया जाता है उसी तरह चाचा नेहरू के जन्म दिन को बच्चो के लिए बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस अवसर पर स्कूली बच्चो के रचनात्मक कौशल के विकास के लिए शिक्षक गुलजार बरेठ और मोहन लाल सहीस के मार्गदर्शन में दीवार पत्रिका का निर्माण किया और बालदिवस के सुअवसर पर प्रकाशित भी किया। दीवार पत्रिका में कविता कहानी के साथ ही साथ पर्यावरण, स्वास्थ्य, परिवेशीय समाचार आदि को स्थान दिया गया। छोटे बच्चो के पेंटिंग ड्राइंग को भी उक्त दीवार पत्रिका में शामिल किया गया। बच्चो के लेखन पठन के विकास में दीवार पत्रिका एक अतिरिक्त संसाधन के रूप में बच्चो के लिए उपयोगी हो सकता है। बाल दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों को समुदाय के सहयोग से न्योता भोजन भी कराया गया । जिसमें हलुआ-पूड़ी, दाल चावल सब्जी परोसा गया। किचन गार्डन से पपीते का पौष्टिक सब्जी बनाया गया। बालवदिवस को यादगार बनाने के लिए बच्चो के रुचि अनुसार विभिन्न प्रकार के खेलो जैसे कुर्सी दौड़ ,बैलून दौड़, केकड़ा दौड़ और भी विभिन्न प्रकार के खेलो का आयोजन किया गया। सभी बच्चो ने उत्साह के साथ सभी खेलो में भाग लिया। शिक्षक गुलजार बरेठ ने बताया कि स्कूल सिर्फ पढ़ने लिखने तक ही सीमित नहीं होने चाहिए बल्कि बच्चो के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना चाहिए ताकि सभी बच्चे भविष्य के लिए तैयार हो सके और एक स्वस्थ और स्वच्छ समाज बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सके। मोहन लाल सहीस ने कहा कि सभी पढ़ाई के साथ सभी क्षेत्रों में काम करे और अपना सर्वांगीण विकास करें।

Name Change

This is to inform the general public that I TARUN KUMAR S/O RAMLAL MARKAM resident of SARGIPAL PARA KONDAGAM (C.G.) declare that I have given up my old name and have changed my name to TARUN KUMAR MARKAM S/O RAMLAL MARKAM, hence I From today onwards, I should be recognized by my new name TARUN KUMAR MARKAM S/O RAMLAL MARKAM in all government, economic and other documents.

Swears
TARUN KUMAR MARKAM
SARGIPAL PARA KONDAGAON (C.G.)

AU SMALL FINANCE BANK
Registered Office : 19-A Dhuleshwar Garden, Jaipur, Rajasthan, India, 302001.
www.aubank.in

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from AU Small Finance Bank Limited ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **21 Nov 2024 between 11:00 AM - 3:00 PM (Time)** at below mentioned branches according to the mode specified therein. In the case of deceased borrowers, all conditions will be applicable to legal heirs. Please note that in the event of failure of the above auction, the bank reserves its right to conduct another auction without prior intimation.

E-Auction Branch Details (E-auction will be conducted by using Weblink https://gold.samil.in)

KORBA - L9001090136921470 | **SUPELA BHILAI** - L9001090139567407 |

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

Sd/-
Manager
AU Small Finance Bank Limited

जेआईटीएफ इन्फ्रालॉजिस्टिक्स लिमिटेड
JINDAL
सीआईएन - L60231CT2008PLC016434
पंजीकृत कार्यालयः ए–11(7), उदया सोसाइटी, सेक्टर–3, टाटीबंध, धरसीवा, रायपुर–492099, छत्तीसगढ़, भारत
वेबसाइटः www.jindalinfralogistics.com, **ई–मेलः** contactus@jindalinfralogistics.com

असाधारण आम बैठक के लिए सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी की कंपनी की असाधारण आम बैठक ("ईजीएम") मंगलवार, 10 दिसंबर 2024 को दोपहर 12.30 बजे ए–1 यूपीएसआईडीसी इंडस्टिंयल एरिया, नंदगांव रोड, कोसी कलां, जिला मथुरा – 281403 (उ.प्र.) में कथित असाधारण आम बैठक में दी गई सूचना के कार्यों के निष्पादन हेतु आयोजित की जाएगी। असाधारण आम बैठक की सूचना उन सदस्यों को ईमेल द्वारा भेज दी गई है, जिनके पास रिकॉर्ड तिथि, यानी 08 नवंबर 2024 तक शेयर हैं, जिनकी ईमेल आईडी कंपनी/डिपॉजिटरी के साथ पंजीकृत है और अन्य सभी सदस्यों को भौतिक प्रति भेज दी गई है। उक्त दस्तावेज कंपनी की वेबसाइट www.jindalinfralogistics.com पर भी देखे जा सकते हैं।

एतद्द्वारा यह भी सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के साथ पठित कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 और सेबी (सूचीकरण बाध्यता और प्रकटन आवश्यकताएं) 2015 के विनियम 44 के अनुपालन में कंपनी अपने सदस्यों को दूरस्थ ई – वोटिंग की सुविधा प्रदान करती है जिससे वे कंपनी की असाधारण आम बैठक में पारित संकल्पों पर अपने वोट इलेक्टॉनिक विधि से दे सकें।

सदस्य कृपया निम्नलिखित नोट करें :

क. दूरस्थ ई–वोटिंग शनिवार, 07 दिसंबर 2024 को सुबह 9.00 बजे आरंभ होगी और सोमवार, 09 दिसंबर 2024 को शाम 5.00 बजे समाप्त होगी।
ख. दूरस्थ ई–वोटिंग सोमवार, 09 दिसंबर 2024 को शाम 5.00 बजे के बाद उपलब्ध नहीं होगी।
ग. दूरस्थ ई–वोटिंग और मतदान के लिए वोटिंग हेतु सदस्यों की पात्रता के निर्धारण की कट ऑफ तिथि 03 दिसंबर 2024 है।
घ. कोई व्यक्ति जो बैठक की सूचना भेजने के बाद कंपनी का सदस्य बनता है और उसके पास कट आर्फ तिथि 03 दिसंबर 2024 को शयेर धारिता है तो वे आरसीएमसी शेयर रजिस्ट्री (प्र.) लि., कंपनी के आर एण्ड टी एजेंट बी–25/1, ओखला इंडस्टिंयल एरिया, फेज 2, नई दिल्ली–110020, फोन 011–26387320–23, फैक्सः 011–26387322, ई–मेल : evoting.services@rcmcdelhi.com से संपर्क द्वारा अपने यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकते हैं।
ङ. दूरस्थ ई–वोटिंग द्वारा वोट देने वाले सभी सदस्य असाधारण आम बैठक में भाग भी ले सकते हैं, किंतु उन्हें असाधारण आम बैठक में अपना वोट देने की अनुमति नहीं होगी।
च. मतदान के माध्यम से वोटिंग की सुविधा असाधारण आम बैठक में केवल उन सदस्यों के लिए होगी जिन्हानें दूरस्थ ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट नही दिया है।
छ. सदस्य असाधारण आम बैठक की सूचना में बताए गए ई–वोटिंग के अनुदेश पढ़ें या https://evoting.nsdl.com देखें और किसी पूछताछ के लिए आप सदस्यों के लिए बार बार पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) को देख सकते हैं और https://evoting.nsdl.com के डाउनलोड सेक्शन में सदस्यों के लिए ई–वोटिंग प्रयोक्ता मैनुअल उपलब्ध है।

जेआईटीएफ इन्फ्रालॉजिस्टिक्स लिमिटेड के लिए
हस्ता/–
आलोक कुमार
कम्पनी सचिव
एसीएस–19819

स्थानः नई दिल्ली
तिथि : 14 नवंबर, 2024

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)
// ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना //
Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/661/लो.नि.वि./न.पा./2024 बालोद, दिनांक - 14/11/2024

निकाय के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से अधोसंरचना मद से प्रपत्र ''अ'' अंतर्गत प्रचलित एस.ओ.आर. CGPWD Building/Road PWD SOR w.e.f. 01.01.2015 से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	161232	वार्ड क्र. 03 एवं 04 हलधर चौक, विनय टॉकिज से दिनेश वेल्डिंग दुकान तक सीलकोट कार्य	38.59	29.11.2024 17:30 IST

टीप :- अन्य शर्तें व विस्तृत जानकारी संबंधित शाखा/विभागीय वेबसाईड www.uad.cg.gov.in में भी देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

नगर पालिका के करों का भुगतान समय पर करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बालोद

NAVA RAIPUR NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
नवा रायपुर अटल नगर
Paryavas Bhawan, North Block, Sector-19, Nava Raipur Atal Nagar-492002, Chhattisgarh
Tel No : +91 771 2512000; Fax No : +91 771 2512400
Website : www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for the following works:

NIT No: 54/HVAC-AMC III-PB/EE(E)/CE/NRANVP/2024-25 Nava Raipur Atal Nagar Dated: 11.11.2024

Name of Work : "Comprehensive Annual Maintenance of HVAC System installed in Paryawas Bhawan at Sector- 19 of Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur (C.G.)". (1st Call)

Estimated cost : **INR 27.00 Lakh/year**, EMD : **INR 54,000.00**, Period of Completion : **36 Months**

Last Time & Date of Online Submission : 15:00hrs on 04.12.2024

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

संवाद - 42123/4

Chief Engineer,
NRANVP

आईएएस अफसरों के प्रभार बदले

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन ने आईएएस अफसरों के प्रभार बदले हैं। डॉ. प्रियंका शुक्ला संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण को आयुक्त सह-संचालक, स्वास्थ्य सेवायें की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। डॉ. प्रियंका शुक्ला, भा.प्र.से. द्वारा विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से चंदन कुमार, भा.प्र.से. (2011), विशेष सचिव, वित्त विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन केवल विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त होंगे। वहीं संजीव कुमार झा, भा.प्र.से. (2011), संचालक, समग्र शिक्षा तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक, विमानन को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ प्रबंध संचालक, पाठ्य पुस्तक निगम का अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। रिमिजियुस एक्का, भा.प्र.से. (2011), कलेक्टर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज को संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें एवं विशेष सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके साथ ही दिव्या उमेश मिश्रा, भा.प्र.से. (2012), संचालक, लोक शिक्षण को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ संचालक, राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद तथा मिशन संचालक, राज्य साक्षरता मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जगदीश सोनकर, भा.प्र.से. (2013). संयुक्त सचिव, मंत्रालय को अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त मिशन संचालक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के पद पर पदस्थ किया गया है। राजेंद्र कुमार कटारा, भा.प्र.से. (2013) को कलेक्टर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज के पद पर पदस्थ किया गया है। इसके साथ ही ऋतुराज रघुवंशी, भा.प्र.से. (2014) को संचालक, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आज होगा स्नान-दान... मोहारा में शिवनाथ तट पर उमड़ेगा आस्था का सैलाब

नदी में स्नान - दीपदान का महत्व, मेले में जुटेंगे लोग

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कार्तिक पूर्णिमा पर ब्रह्म मुहूर्त के साथ शिवनाथ नदी में स्नान और दीपदान के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ेगा। मोहारा स्थित नदी तट पर 14 नवंबर को ही मेला की शुरुआत भी हो गई है। हालांकि पहले दिन यहां पहुंचने वाले लोगों की संख्या काफी कम रही। तीन दिवसीय इस मेले में शुक्रवार को बड़ी संख्या में जुटने को लेकर प्रशासन और पुलिस ने अपनी-अपनी तैयारियां पुख्ता कर ली हैं। शहर के मोहारा में रियासत काल से शिवनाथ नदी किनारे पुन्नी मेला के नाम से परंपरागत रुप से मेले का आयोजन किया जा रहा है। यहां कार्तिक माह की पूर्णिमा पर नदी स्नान के महात्म्य अनुसार सनातनी प्रतिवर्ष धर्मानुसार स्नान-दान करते आ रहे हैं। निगम यहां मेले के लिए पूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करता है। नदी के घाट में स्नान करने वाले धर्मावलंबियों के लिए नदी में रस्सियां बांधकर डुबकी लगाने के लिए क्षेत्र सुरक्षित किया गया है। इसके अतिरिक्त यहां किसी तरह की अनहोनी पर तत्काल राहत और बचाव के लिए क्रिक रिस्पांस टीम मौजूद रहेगी। रेस्क्यू के लिए बोट और गोताखोर भी यहां मौजूद हैं। बड़ी संख्या में यहां पुलिस बल भी लगाया गया है। पुलिस अधिकारी खुद यहां सुरक्षा व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

महिलाओं के मुश्किल, कपड़े बदलने की व्यवस्था नहीं

नगर निगम ने मोहारा मेले और कार्तिक पूर्णिमा के पुण्य स्नान की तैयारियां में गंभीर चूक कर दी है। यहां स्नान करने आने वाली महिलाओं की निजता के लिए उपाय नहीं किए गए हैं। नदी के तट के आसपास कहीं भी कपड़े बदलने के लिए कोई अस्थाई व्यवस्था नहीं की गई है। इस स्थिति में स्नान करने आने वाली महिलाओं-युवतियों को असहजता का सामना करना पड़ेगा।

होटल में मिला बाल श्रमिक, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर संयुक्त दल के निरीक्षण के दौरान की गई कार्रवाई

राजनांदगांव। एसोसिएशन फर वालंटरी एक्शन (एवीए) द्वारा बचपन बचाओ आंदोलन के तहत श्रम विभाग की टीम के साथ की गई छापेमारी में ग्राम चिरचारी स्थित ढाबे में बाल श्रम कानूनों का उल्लंघन करना पाया गया है। रामदेव राजस्थानी होटल में एक बाल श्रमिक के कार्यरत पाए जाने पर बागनदी थाने में निरीक्षण दल द्वारा एफआईआर दर्ज करवाई गई है। दर्ज मामले के मुताबिक बुधवार को एवीए के राज्य समन्वयक विपिन ठाकुर के साथ श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक रत्नाकर माटे, श्रम उप निरीक्षक हिमानी बेलेकर, चाइल्ड लाईन समन्वयक महेश साहू सामाजिक कार्यकर्ता जिला बाल सरंक्षण इकाई स्मिता उके की संयुक्त टीम ने विभिन्न औद्योगिक इकाई, होटल ढाबो व पेट्रोल पंप से संबंधित प्रतिष्ठानो में निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम चिरचारी स्थित रामदेव राजस्थानी होटल में नाबालिग बालक जिसकी उम्र 15 वर्ष 10 माह 24 दिन है वह होटल में रोटी बनाने का कार्य करते पाया गया। पूछताछ के दौरान बालक ने बताया कि वह पिछले 01 वर्ष से सुबह 12 बजे से रात 12 बजे तक कार्यरत है। निरीक्षण दल द्वारा बाल श्रमिक से कार्य लिए जाने पर होटल संचालक विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है। बागनदी थाने ने इस मामले में धारा 146 BNS किशोर न्याय अधिनियम की धारा 79, बालक और कुमार श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 की धारा 3, 14 के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया है।

रायपुर थाना माना में प्लेन इमरजेंसी लैंडिंग में अपराध दर्ज कर आरोपी को भेजा गया जेल

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर में सुबह 8.40 बजे नागपुर-कोलकाता इंडिगो फ्लाइट की रूट डायवर्ट कर इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिली। एसएसपी संतोष सिंह ने बताया कि बताया कि सुबह एटीसी (एयर ट्राफिक कंन्ट्रोल) के जरिये सूचना मिली कि इंडिगो फ्लाइट संख्या 6ई.812 विमान जो नागपुर से कलकत्ता के लिये विमान भरा था जिसमें एक यात्री अनिमेष मंडल के द्वारा विमान के अंदर मुख्य केबिन क्रू के सदस्य को विमान मे बम होने की सूचना प्राप्त हुई। विमान में 187 यात्री सहित 6 क्रू सदस्य थे। सूचना मिलने पर विमान की आपातकालीन लैंडिंग स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर मे करवाकर नियमानुसार सीआईएसएफ और रायपुर पुलिस की टीम द्वारा सम्पूर्ण चेक किया गया। सीएसपी लम्बोदर पटेल और टीआई भावेश गौतम ने बताया कि चेकिंग पर वायुयान/ यात्री/ सामानों मे कोई विस्फोटक/ संदिग्ध वस्तु का होना नही पाया गया। यात्री द्वारा विमान मे विस्फोटक सामग्री और फ्लाइट क्रैश हो जाने की गलत सूचना दिया कि सूचक की लिखित शिकायत आवेदन पर आरोपी के विरुध्द अपराध धारा 351(4) भारतीय न्याय संहिता एवं नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुध्द गैर कानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम 1982 की धारा 3(1)(घ) का कारित करना पाये जाने से अपराध पंजीबध्द कर आरोपी अनिमेष मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा हेतु न्यायालय प्रस्तुत किया गया है। आरोपी नागपुर का रहने वाला है।

लोकतंत्र सेनानी 26 नवंबर को दिल्ली में संविधान के हत्यारों को करेंगे बेनकाब : उपासने

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने जानकारी दी की 26 नवम्बर संविधान दिवस के अवसर पर संपूर्ण देश के लोकतंत्र सेनानी दिल्ली स्थित जंतर मंतर पर जुटेंगे तथा संविधान की हत्या करने वालों का पर्दाफाश करेंगे। उपासने ने बताया कि लोकतंत्र सेनानी संघ की राष्ट्रीय कार्य समिति की आज संपन्न वर्चुअल बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक का शुभारंभ करते हुए भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य व सेनानी संघ के संरक्षक सत्यनारायण जटिया ने कहा कि संविधान व लोकतंत्र का हत्यारा कौन है? इसको उजागर किया जाना चाहिए तथा इस हेतु पृथक आयोग का गठन किया जाना आवश्यक हो गया है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि वर्तमान में देश के सामने चुनौतियां कम नहीं है कुछ तत्व देश को अराजकता में ले जाने का घृणित प्रयास कर रहे हैं, लोकतंत्र सेनानियों को सजग, सतर्क व जागरूक नागरिक की भूमिका अदा कर जागरण करना है। उपासने ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया गया जिन्होंने 26 जून को जिस दिन 1975 में संविधान की हत्या कर देश को आपातकाल में झोंक दिया गया उस दिन को प्रतिवर्ष संविधान हत्या दिवस घोषित कर संविधान के हथियारों को देश हर वर्ष स्मरण कर हमेशा धिक्कारेगा ऐसी व्यवस्था बनाई गई। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम पश्चात प्रधानमंत्री आदि को ज्ञापन दिए जाने का भी निर्णय लिया गया है। बैठक में छत्तीसगढ़ से प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर तिवारी, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य दत्तात्रेय त्रिपुरवार, प्रदेश कार्यालय मंत्री संतोष शर्मा आदि उपस्थित थे ।आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सचिव मदन बाथम ने किया।

मठ मंदिर, हिन्दू संस्कृति व गौमाता के रक्षार्थ जुटे युवा

विहिप में बजरंग दल के इकाई का विस्तार जारी

पायनियर संवाददाता ➤ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

हिंदुओ के संरक्षण के उद्देश्य से कार्यरत संगठन विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के द्वारा संगठन में निम्न इकाई तक विस्तार किया जा रहा है। हिंदू समाज को सशक्त बनाने व युवा पीढ़ी में सेवा, सुरक्षा व संस्कार जगाने के उद्देश्य से बजरंग दल के पदाधिकारी गांवों तक पहुंच कर स्थानीय समिति निर्माण कर रहे हैं। इसी तारतम्य में ग्राम मनेरी में विहिप बजरंग दल ने ग्राम समिति गठित की। बजरंग दल के खण्ड सँयोजक युवराज साहू, सहसंयोजक पुरंजय साहू, गौरक्षा प्रमुख प्रतीक साहू, बल उपासना अखाड़ा प्रमुख डोगेन्द्र साहू, सुरक्षा प्रमुख टूमेश साहू व चुम्मन मंडावी, विद्यार्थी प्रमुख ईश्वर डहरे व छवि साहू, साप्ताहिक मिलन प्रमुख प्रकाश नागेश चुने गए। इस मौके पर विहिप के प्रान्त सहमंत्री नंदूराम साहू, विभागमंत्री अरुण गुप्ता, जिला संयोजक सुमीत सेन, जागेश्वर यादव, जनक साहू, टोवा साहू सहित गिरवर, यशवंत, गोल्ड़ी, गोविंद, लुकेंद, छबिल, सुरेश, बोधन, ताराचंद, लोकेश निषाद, हरि, राजकुमार, रोहन, किशन सहित अनेक युवा उपस्थित थे।

सिन्हा समाज का 17 को दीवाली मिलन व सम्मान समारोह

डोंगरगांव नगर। छत्तीसगढ़ डड़सेना सिन्हा कलार समाज का जिला स्तरीय दीपावली मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 17 नवंबर को स्थानीय सिन्हा सामुदायिक भवन प्रागंण में रखा गया है। आयोजन के दौरान ही जिला स्तरीय चुनाव संपन्न कराने हेतु रूपरेखा भी तय की जायेगी। आयोजन का शुभारंभ सुबह 10 बजे देवपूजन एवं अतिथि स्वागत से होगा। पश्चात् प्रथम सत्र में दीपावली मिलन का कार्यक्रम तथा विगत दिनों छत्तीसगढ़ शासन द्वारा घोषित सब इंस्पेक्टर तथा अन्य शासकीय पदों पर चयनित स्वजातीय युवाओं का सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बतौर अतिथि प्रांतीय संरक्षक दीपक कुमार सिन्हा, प्रांतीय अध्यक्ष युवराज सिन्हा, प्रांतीय महामंत्री रिखीराम सिन्हा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष डॉ. बिसम्भर सिन्हा सहित युवा मंच एवं महिला मंच के प्रांतीय व जिले के पदाधिकारी, मंडलेश्वरगण उपस्थित रहेंगे।

10000 की रिश्वत लेते साजा एसडीएम और उसके सहयोगी रंगे हाथ पकड़ाऐ

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिले में एसीबी ने साजा के एसडीएम टेक राम माहेश्वरी को दस हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है साथ में उनके ही नगर सैनिक गौकरण सिंह को भी गिरफ्तार किया आरोप है कि एसडीएम एनओसी के लिए रिश्वत की मांग कर रहे थे इसे लेकर दिव्यांग युवक ने एसीबी में शिकायत की थी जिसके बाद एसीबी ने गुरुवार को साजा एसडीएम को घूस लेते गिरफ्तार किया गया है जानकारी के अनुसार दिव्यांग युवक तुकाराम पटेल ग्राम भटगांव तहसील देवकर का जिला बेमेतरा ने एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर में शिकायत की थी शिकायत में बताया गया है कि नगर पंचायत पर परपोडी में स्थित उसकी माता के नाम पर भूमि के डायवर्सन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु एसडीएम कार्यालय साजा जिला बेमेतरा में आवेदन प्रस्तुत किया गया था लेकिन आरोपी एसडीएम साजा टेक राम माहेश्वरी ने इसके लिए एक लाख रुपए की डिमांड की थी आवेदक रिश्वत देना नहीं चाहते था बल्कि रंगे हाथ पकड़ना चाहता था इसलिए एसीबी में शिकायत की जांच की तो मामला सही पाया गया इसके बाद एसीबी जाल बिछाया और फिर एसडीएम को 20000 रिश्वत देने पर सहमति किया गया 10000 एडवांस के रूप में दिया गया। बकाया 10000 देते हुए टेक राम माहेश्वरी एसडीएम साजा एवं उनके सहयोगी नगर सैनिक गौकरण सिंह को रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी को अभिरक्षा में लेकर उनके निवास की तलाशी की जा रही है प्रकरण उनके विरुद्ध में धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

बालको ने बाल दिवस पर आयोजित किया पुस्तक महोत्सव

पायनियर संवाददाता ➤ बालकोनगर
www.dailypioneer.com

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बाल दिवस के अवसर पर सात दिवसीय पुस्तक महोत्सव का आयोजन किया है। शिक्षा और साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी ने विद्या भवन सोसाइटी के सहयोग से अपने सामुदायिक विकास पहल 'प्रोजेक्ट कनेक्ट' के अंतर्गत महोत्सव आयोजित किया। यह महोत्सव बच्चों, परिवारजन तथा सभी उम्र के पुस्तक प्रेमियों के लिए खुला है जो समुदाय को साहित्य से जुड़ने के लिए आमंत्रित करता है। 17 नवंबर, 2024 तक चलने वाला महोत्सव पुस्तकों का एक जीवंत वातावरण प्रदान करता है जहाँ बच्चे आलोचनात्मक पठन कौशल के साथ नई रुचियों को खोजने तथा सीखने की ललक को बढ़ा सकते हैं। पिछले 3 दिनों में इस महोत्सव में 1200 से अधिक लोगों ने भाग लिया है, जो समुदाय की मजबूत भागीदारी और उत्साह को दर्शाता है। पुस्तक महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में साहित्य तथा पढ़ने के प्रति रूचि उत्पन्न करना है। 2000 से अधिक पुस्तकों के साथ बच्चों की विविध रुचियों के अनुरूप इंटरैक्टिव कहानी सत्र, आकर्षक कार्यशालाएँ तथा शैक्षिक खिलौने शामिल हैं। जानकारीपूर्ण पुस्तक संग्रह के साथ महोत्सव में रोचक पठन सत्र, लेखक चर्चा, शब्दावली निर्माण तथा गणित-केंद्रित गतिविधियाँ भी शामिल हैं। ये सभी रोचक जानकारी जिज्ञासा जगाने तथा साझा सीखने का अवसर प्रदान करती हैं। इंटरैक्टिव माहौल में बच्चों तथा अभिभावकों के लिए शैक्षिक खेल भी शामिल हैं जिससे परिवार के साथ जुड़ने का अनुभव तथा आलोचनात्मक सोच तथा रचनात्मकता का विकास होता है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि कहा कि हम अपने समुदाय में युवाओं के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा बाल दिवस पुस्तक महोत्सव पढ़ने के उत्सव के साथ एक आनंदमय समागम है जो परिवार और समुदाय के बंधन को मजबूत करता है। प्रोजेक्ट कनेक्ट के माध्यम से हम कोरबा में शैक्षिक मानकों को उंचाई प्रदान कर रहे हैं। अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए सार्थक मार्ग तैयार कर रहे हैं जिससे उज्जवल भविष्य की नींव रखी जा सके। जिला शिक्षा संस्थान (डाइट) के प्राचार्य रामहरी शराफ कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम युवा दिमागों को प्रेरणा प्रदान करने का कार्य करती हैं जो सीखने की लालसा को बढ़ावा देने तथा उनके भविष्य की यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। पुस्तक महोत्सव के माध्यम से बालको का बाल दिवस समारोह बच्चों को उनके विकास में मदद करने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन प्रदान कर रहा है। बेटी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने वाली आशा ने कहा कि हमारे समुदाय में इस तरह के आयोजन को देखना उत्साहजनक है। मेरी बेटी नई पुस्तकों की खोज करने के लिए उत्साहित है। उसके पढ़ने के प्रति विकसित लगाव को देखकर मैं रोमांचित हूं। महोत्सव बच्चों के लिए सीखने, बढ़ने और कल्पनाओं को प्रज्वलित करने का एक शानदार अवसर है। बालको अपने प्रोजेक्ट कनेक्ट के माध्यम से कोरबा के 6 सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए नियमित कक्षाएं आयोजित करता है। कक्षा 6 से 8 तक बुनियादी साक्षरता और कक्षा 9 से 12 के लिए विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और वाणिज्य (सेमा) विषय पर केंद्रित है। शिक्षण और अतिरिक्त शिक्षण घंटों के साथ छात्रों की भागीदारी को बढ़ावा देना और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करना है। अबतक प्रोजेक्ट कनेक्ट से 2,500 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं। इसमें करियर परामर्श, शिक्षक प्रशिक्षण और ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन शिविर और रीडिंग मेला जैसी सुविधा प्रदान की गई हैं। एक समग्र शिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर प्रोजेक्ट कनेक्ट कोरबा समुदाय में आत्मविश्वास से भरपूर शिक्षार्थियों को आकार देता है।

सालिक साय ने धान खरीदी का किया शुभारंभ कहा किसानों को 72 घंटे में मिलेगा भुगतान

विष्णु के सुशासन से संवर रहा छत्तीसगढ़

पायनियर संवाददाता ➤ कांसाबेल
www.dailypioneer.com

प्रदेश में किसानों के लिए धान खरीदी का त्यौहार शुरू हो चुका है। जशपुर जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों पर इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ धान खरीदी की शुरुआत की गई। इस विशेष अवसर पर जशपुर जिले के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित चोंगरी बहार में धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ हुआ, जहां प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा अजजा मोर्चा एवं जिला पंचायत सदस्य जनसेवक सालिक साय ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस मौके पर कई भाजपा नेताओं और किसानों की उपस्थिति रही, जिन्होंने धान खरीदी की प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाने के लिए अपने समर्थन का आश्वासन दिया। मुख्य अतिथि सालिक साय ने कहा कि जशपुर जिले के माटी पुत्र और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनसे प्रदेश में खेती और किसानी को लेकर नया उत्साह पैदा हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के तहत इस बार धान बेचने वाले किसानों को एक विशेष सुविधा दी गई है। साल 2024 में पहली बार किसानों को धान की बिक्री के बाद उनके पैसे 72 घंटों के भीतर ही सीधे उनके खाते में भुगतान कर दिए जाएंगे। यह पहल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, और किसानों को उनके उत्पाद की उचित कीमत जल्द मिल सकेगी। साय ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में किसानों को हर कदम पर सहायता मिल रही है। इसके परिणामस्वरूप, राज्य में कृषि क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो रही है। पहले खेतों से दूर जा रहे किसान अब वापस अपनी जड़ों की ओर लौट रहे हैं और खेती के लिए न केवल बेहतर अवसर तलाश रहे हैं, बल्कि खेती की जमीन का रकबा भी बढ़ा है। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की किसान कल्याण योजनाओं ने किसानों के लिए न केवल आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि उनके जीवनस्तर में भी सुधार किया है। वहीं, इस मौके पर जशपुर जिले के मंडल अध्यक्ष दिनेश चौधरी, भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष भूषण वैष्णव, तुलसी कौशिक, भजन साय, परशु राम चक्रेश, मंडी प्रबंधक राधेश्याम साय, सहायक प्रबंधक पन्नालाल पैंकरा सहित अन्य अनेक कार्यकर्ता और किसान भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर विधिपूर्वक तराजू बांट की पूजा-अर्चना की और नए धान के सीजन के सफलतापूर्वक संचालन की कामना की। कृषि क्षेत्र में निवेश और उपार्जन केंद्रों के माध्यम से किसानों को सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में यह कदम राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से राज्य में कृषि और किसान दोनों को एक नई दिशा मिल रही है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और भी मजबूत बनाने में सहायक होगा। इस अवसर पर सालिक साय ने सभी किसानों को शुभकामनाएं दी और उन्हें भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगी।

श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह

अविरल के दूसरे दिन नृत्य नाटक की स्पर्धा का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह में सर्वप्रथम लघु नाटक चाय पानी की प्रस्तुति दी गई, इसमें ओम तिवारी, त्रिशेक श्रीवास, प्रज्वल, करण, चंद्रचूड़, आशीष, प्रजनल, आदर्श, रोशन, श्याम, वृंदा, श्रद्धा, संस्कृति, यशवी, ने भाग लिया। दूसरे में एकल डांस में आकृति मिश्रा, महक, विधि, वर्दी, समृद्धि, आयुष ने प्रस्तुति दी। तृतीय में युगल डांस में सिद्धि, खुशी, निशिका, दीप्ति, आकृति, श्रुति, निधि, फाल्गुनी, पियूष, प्रत्यूष प्रस्तुति दी। वहीं समूह नृत्य में निधि, मुस्कान, कुसुम, कुनूर, पीनल, खुशी, मेघा, मयंक, पांडेय, मलयज, विशु, आकाश, कनिष्क, मयंक, फाल्गुनी, महक, आदित्य, अनुष्का, गायत्री, राहुल, वर्दी, इशिता ने प्रस्तुति दी। नाट्य स्पर्धा के निर्णायक डॉक्टर अनिल दुबे, डॉक्टर यूसुफ मेमन, डॉक्टर ऋषि अग्रवाल रहे। नृत्य स्पर्धा के निर्णायक के रुप में डॉ. नीता नायक, डॉक्टर मेघा खेमका, डॉक्टर सौम्या अग्रवाल विशेष तौर पर मौजूद रहीं। सांस्कृतिक समिति के डॉ. नूपुर श्रीवास, डॉ. प्रतिमा शर्मा, डॉ. अनीषा नगरिया, के साथ-साथ सांस्कृतिक सचिव तेजस नायक ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में एसबीआईएमएस के चेयरमैन डॉ. देवेंद्र नायक, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नीता नायक, ग्रुप के प्रेरणास्त्रोत श्री आर. के. नायक, श्रीमती सत्यवती नायक, डायरेक्टर सीए नितिन पटेल, डायरेक्टर वीरेंद्र पटेल, डॉ. पुष्पेंद्र नायक, भोजराम पटेल, शोभेंद्र पटेल, सीईओ हिमांशु साहू के साथ मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. दीपक जायसवाल समेत विभिन्न चिकित्सकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

धान खरीदी प्रारंभ

पखांजुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश अनुसार 14 नवम्बर से किसानों का धान खरीद के विभिन्न धान खरीदी केंद्र गुरुवार को उद्घाटन किया गया है कापसी लेम्प्स अंतर्गत सभी सात उपार्जन केंद्र में किसानों का समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किया गया, पिव्ही 8 चाणक्यपुरी खरीदी केन्द्र में खाद्य निरीक्षक साहू द्वारा उद्घाटन किया है,किसानों का कहना है ऑनलाइन धान बेचने का पर्ची काटकर समर्थन मूल्य पर धान बिक्री किया गया है सभी खरीदी केंद्र में सोचालय,पानी के आला अन्य सुविधा उपलब्ध है किसान खुश है।

गर्मियों में धान की जगह कम पानी में होने वाले दलहन-तिलहन फसल की दी जारी जानकारी

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

ग्रीन कमांडो विरेन्द्र सिंह अब जिले किसानों से मिलकर गर्मियों के समय में धान की जगह अब कम पानी में पैदा होने वाले अन्य दलहन तिलहन फसलों को लेने के लिए जागरूक और प्रेरित कर रहे। जिससे गर्मियों में जलसंकट जैसे परिस्थितियों का सामना ना करना पड़े। उसके लिए ग्रीन कमांडो विरेन्द्र सिंह जिले के अलग-अलग गांवों में जा जाकर किसान भाईयों को को गर्मियों में अब धान की जगह कम पानी में होने वाले फसल जैसे गेहूं, चना,तिल, सरसों,अरहर,रहर जैसे दलहन तिलहन फसलों को लेने के लिए किसानों को जागरूक कर रहे हैं। गर्मियों में ऐसे फसलों को लेने से नहीं होगा भू जलस्तर कम नहीं होगा। इस कार्यक्रम में ह्रस्व के प्रमुख भागी रथी नायक ने सभी छात्रों से कहा आप सभी के पिता, माता, किसानी कार्य से जुड़े हैं आप अपने घर से शुरुवात करे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन मंगलवार को हो गया। शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय के 60 स्वयंसेवियों ने स्वच्छता, नशा उन्मुलन, पौधारोपण, योग, स्वास्थ्य जागरूकता जैसे अनेक विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रश्मि सिंह ने शिविर की सफलता पर सभी को बधाई दिया और टीम के कठिन पुरुषार्थ की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्रामीण जनता विभिन्न सकारात्मक गतिविधियों को ग्रामवासियों तक पहुंचाया हैं। शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि उप पुलिस अधिकारी जीवन नागेश ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए नये संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नन्दिनी ध्रुव ने बताया कि सात दिवसीय शिविर में प्रातः जागरण, योग से दिनचर्या की शुरुआत होती थी। महारैली, महास्वच्छता अभियान, ग्राम सर्वेक्षण, सांस्कृति विकास हेतु संध्याकालीन सांस्कृति गतिविधियां दिनचर्या की प्रमुख हिस्सा रही। स्वयंसेवियों द्वारा गांवों के लोगों को जागरूक करने हेतु विभिन्न रचनात्मक एवं सुधारात्मक गतिविधियाँ चलायी गयी। स्वयंसेवियों ने घर-घर जाकर नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दी तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणाम से अवगत कराया।

किरंदुल मंडल में भाजपा संगठन चुनाव पर्व संपन्न

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

भाजपा किरंदुल मंडल ने संगठन चुनाव पर्व के तहत बंगाली कैंप मंगल भवन में बुधवार बैठक का आयोजन किया। जिसमें दंतेवाड़ा जिले से चुनाव अधिकारी गोविन्द तिवारी सहयोगी शैलेन्द्र सिंह एवं मण्डल प्रभारी सत्यजीत सिंह चौहान उपस्थित हुए। भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मपाल मिश्रा के अध्यक्षता में सर्व प्रथम भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए चुनाव प्रभारी गोविंद तिवारी ने बताया कि मंडल के हर बूथ में बूथ समिति के नई गठन की जाएगी जिसमें महिलाओं समेत समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व होगा। उन्होंने बूथ अध्यक्ष बनाने की पूरी प्रक्रिया पर प्रकाश डाला एवं आगामी शक्ति केंद्र बूथ केंद्र चुनाव के लिए चुनाव पदाधिकारी की घोषणा की। मंडल प्रभारी सत्यजीत सिंह चौहान ने संगठन के बारे में चर्चा करते हुए कहां की जिन सदस्यों ने अभी तक सक्रिय सदस्यता के लिए आवेदन नहीं किया है वो 50 प्राथमिक सदस्य बनाकर अतिशीघ्र सक्रिय सदस्यता के लिए आवेदन करे।

बाल दिवस पर स्कूल पहुंच अनंतपुर पुलिस ने बच्चों को दी कई जानकारिया

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिले के अनंतपुर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनंतपुर में 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया गया। जहां स्कूल प्रबंधन के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान थाना अनंतपुर की पुलिस भी बच्चों के बीच मौजूद रही और बच्चों को लगन के साथ पढ़ाई करने व अच्छे कार्यो के लिए प्रोत्साहित कर कई जानकारियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के छायाचित पर शिक्षकगण द्वारा मार्लापण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूवात की गई। पुलिस अधीक्षक कोंडागांव वाय अक्षय कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल के निर्देश,एस डीओपी रूपेश कुमार के मार्गदर्शन पर बाल दिवस के अवसर पर पुलिस के अधिकारियों को स्कूली बच्चों के बीच जाकर कुछ समय बिताने सहित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराने का निर्देश दिया था।

इसी परिपेक्ष्य में थाना अनंतपुर की पुलिस स्कूल पहुंची। थाना प्रभारी अखिलेश धीवर ने बच्चों को संबोधित कर कहा कि, प्रत्येक 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बाल दिवस मनाए जाने के पीछे का उद्देश्य देश के भविष्य के निर्माण में बच्चों के महत्व को बताता है साथ ही पुलिस के कार्यो की जानकारी से बच्चों को अवगत कराया। थाना प्रभारी अखिलेश धीवर ने स्कूली बच्चों को बताया कि, आपको हमेशा अपराध एवं अपराधो की रोकथाम के प्रति जागरूक रहना चाहिए, जिस चीज को हम दूसरों को करने के लिए बोलते है पहले अपने में आत्मसात करें फिर हम दूसरों को करने बोलें।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय हरंगढ़ बाल दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया

पायनियर संवाददाता ➤ पखांजुर
www.dailypioneer.com

कार्यक्रम की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरु जी के छायाचित्र चित्र पर फूल माला एवं दीपप्रिजलित व पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शूरुआत किया गया,तत्पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पकवान का मेला भी लगाया गया,जिसमे उत्कृष्ट पकवान बनाने वाली विद्यर्थियों को पुरस्कृत किया गया भारत में हर साल 14 नवंबर को मनाया जाता है, जो भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। इस दिन को बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

बाल दिवस मनाने के उद्देश्य : बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना। बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना। बच्चों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करना। बच्चों में आत्मविश्वास और स्वावलंबन को बढ़ावा देना। बच्चों के बीच समानता और न्याय को बढ़ावा देना।

जिले के दूरस्थ अंचल की बेटियां विभिन्न खेलों में दिखा रहीं अपना दम

बस्तर ओलंपिक, युवाओं के हुनर को मंच देने वाली अनूठी पहल

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

बस्तर के युवाओं के लिए बस्तर ओलंपिक एक नई सुबह का आगाज है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच और प्रेरणा से बस्तर ओलंपिक के आयोजन के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिला है। यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बस्तर क्षेत्र के युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से सुदूरवर्ती क्षेत्रों के युवाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया जा रहा है, जहां वे अपनी काबिलियत और मेहनत को पूरे जिले के सामने ला सकते हैं। कोंडागांव के सभी विकासखंडों में बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ी अपनी भागीदारी दिखा रहे हैं। खिलाड़ी अपने-अपने खेल में बेहतर प्रदर्शन कर न केवल अपने परिवार का बल्कि अपने गांव का नाम भी रोशन कर रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में भाग लेने वाले जिले के सुदूर अंचलों के युवाओं ने बताया कि, उन्हें पहली बार इस तरह के आयोजन में आकर अपने खेल में भाग लेने का अवसर मिला है, जिसने उनके आत्मविश्वास और मजबूत हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा युवाओं के इस आत्मविश्वास को बरकरार रखते हुए संपूर्ण आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के लिए ठहरने, भोजन और पेयजल जैसी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही आयोजन स्थल पर स्वास्थ्य कर्मियों की टीम सहित एम्बुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत इलाज मुहैया कराया जा सके। बस्तर ओलंपिक को और अधिक खास बनाने के लिए सभी आयोजन स्थलों में सेल्फी जोन बनाया गया हैं, जिसमें प्रतिभागी और दर्शक सभी इस पल को सहेज सकें। जिला प्रशासन द्वारा सेल्फी लेने वाले खिलाड़ियों को फोटो प्रिंट कराकर उपलब्ध भी कराया जा रहा है।

ग्रामीण युवा अपने सपनों को साकार करने की राह पर : बस्तर ओलंपिक ने बस्तर की ग्रामीण प्रतिभाओं को एक पहचान दिलाई है। प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहीं युवतियों में से कई का सपना भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना है। विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंची सियाबती नेताम ने बताया कि वे वर्तमान में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। जिले के सुदूरवर्ती ग्राम चिचडोंगरी की निवासी हैं। वह अभी पोस्ट-मैट्रिक हॉस्टल, कोंडागांव में रहकर अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। सियाबती का सपना भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करना है, और इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर रही हैं। उनके बड़े भाई सेना में कार्यरत हैं, जिससे प्रेरित होकर वे भी सेना में शामिल होना चाहती हैं। किसान परिवार से आने वाली सियाबती को दौड़, खो-खो, वॉलीबॉल और कबड्डी जैसे खेल बेहद पसंद हैं। सियाबती, बस्तर ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं की शुरुआत के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहती हैं, 'सरकार ने हम जैसे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। मुझे विश्वास हैं कि, इस प्रतियोगिता के माध्यम से मेरे करियर को दिशा मिलेगी और मैं अपने सपनों को साकार कर पाऊंगी। इसी तरह, अनामिका नेताम भी बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं और उनका भी सपना सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना है। उनके पिता, जो की एक शिक्षक हैं, उनके इस निर्णय में उनका पूरा समर्थन करते हैं।

कोड़ेनार पंचायत भवन में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता सहायिका सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

महिला एवं बाल विकास विभाग नया रायपुर द्वारा जारी निर्देशानुसार एकीकृत बाल विकास परियोजना किरन्दुल अंतर्गत 13 नवंबर बुधवार दोपहर 03 बजे कोड़ेनार पंचायत भवन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें किरन्दुल परियोजना के 05 सेक्टर चोलनार, गुमियापाल, अरनपुर, बुरगुम एवं किरन्दुल से एक एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं एक एक सहायिका को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के अच्छे कार्य उनके बेहतर कार्य शैली व उपलब्धि के लिए दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोड़ेनार सरपंच मीना मंडावी,विशिष्ट अतिथि नगरपालिका पार्षद राजेंद्र मृणाल राय, बुरगुम सरपंच हरीम मरकाम, परियोजना अधिकारी मनीषा साहू, पर्यवेक्षक चोलनार सुकाली चंद्राकर, पर्यवेक्षक किरन्दुल शांति मिडियामी, पर्यवेक्षक अरनपुर जामिनी दिवाकर, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता एवं सहायिका उपस्थित थे।

कोसा वस्त्र बुनाई प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

कोंडागांव। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिये गये जानकारी अनुसार अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक-युवतियों को कोसा वस्त्र बुनाई का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि 4 माह होगी, जिस दौरान प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को मासिक शिष्यवृति 3000 रुपये प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षणार्थियों को निःशुल्क आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी, लेकिन भोजन व्यवस्था स्वयं अभ्यर्थियों को करनी होगी। आवेदन हेतु आवेदक अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना चाहिए, आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के बीच, शैक्षणिक योग्यता कम से कम साक्षर हो।

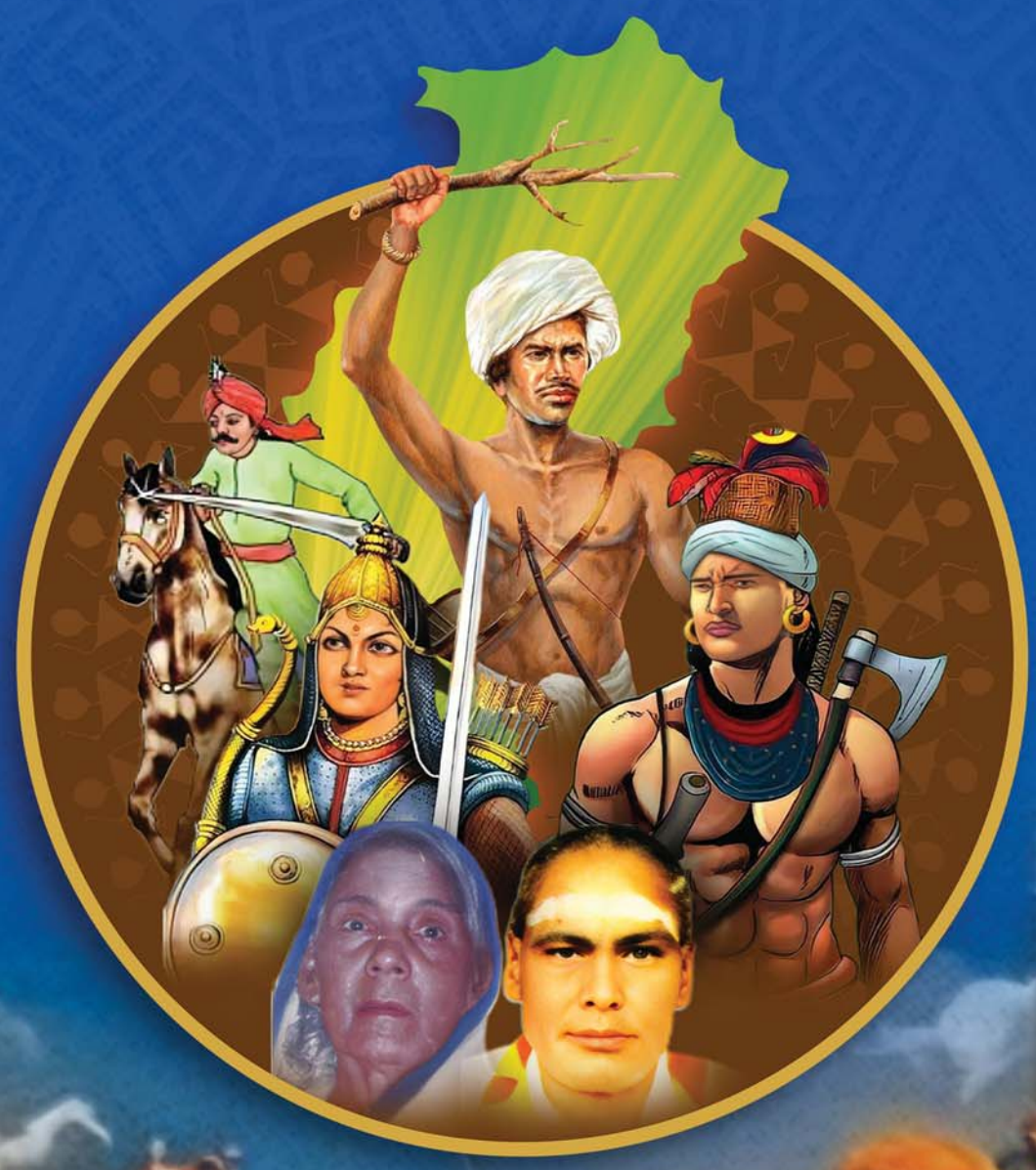

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403